सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

यशस्वी जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर तोड़ी चुप्पी -पेज: 7

सामंथा को नागा चैतन्य से तलाक के बाद नहीं मिल रहा काम -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 165 | सोमवार 22 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बीते 10 वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 फीसदी कमी आई: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है। शाह ने दोहराया कि वामपंथी उग्रवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और ह्यऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है। शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर समाचार चैनल आजतक से बातचीत में कहा, देश में तीन प्रमुख हॉटस्पॉट थे-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद... मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में, तीनों हॉटस्पॉट में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है। गृह मंत्री ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है

'इस फेस्टिवल सीजन में सबका मुंह मीठा होगा', पीएम मोदी ने गिनाएं जीएसटी 2.0 के फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 5 बजे देश को संबोधित करना शुरू किया। इस दौरान पीएम मोदी जीएसटी सुधारों को लेकर जनता को जानकारी दे सकते हैं। इसके साथ ही 22 सितंबर से नवरात्रि की शुरूआत हो रही है, इसे लेकर भी पीएम मोदी चर्चा कर सकते हैं। बता दें, सरकार ने जीएसटी 2.0 के तहत कई उत्पादों पर जीएसटी की दरें कम की है। अब सिर्फ 5% और 18% GST के दो स्लैब रखे गए हैं, जबकि 12% और 28% वाले टैक्स स्लैब को खत्म कर दिया गया है। 12% वाले स्लैब में शामिल ज्यादातर प्रोडक्ट्स को 5% वाले स्लैब में रखा गया है। 28% स्लैब वाले प्रोडक्ट्स को अब 18% वाले स्लैब में रखा गया है। वहीं कुछ चीजों पर जीएसटी रेट को शून्य कर दिया गया है। इसका मतलब है कि 22 सितंबर के बाद

इन प्रोडक्ट्स पर शून्य जीएसटी लागू होगा, जिससे ये चीजें बेहद सस्ती हो जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "नए स्वरूप में अब सिर्फ.5% और 18% के टैक्स स्लैब होंगे। इसका मतलब है कि रोजमर्रा की ज्यादातर चीजें सस्ती हो जाएँगी। खाने-पीने की चीजें, दवाइयाँ, साबुन, ब्रश, पेस्ट, स्वास्थ्य और जीवन बीमा, ऐसी कई चीजें और सेवाएँ या तो टैक्स-मुक्त होंगी या फिर सिर्फ.5% टैक्स देना होगा। जिन चीजों पर पहले 12% टैक्स लगता था, उनमें से 99% चीजें अब 5% टैक्स के स्लैब में आ गई हैं।" पीएम मोदी ने कहा, "पिछले ग्यारह वर्षों में देश के 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है। गरीबी से उबरकर, 25 करोड़ लोगों का एक बड़ा समूह, जिसे नव-मध्यम वर्ग के रूप में जाना जाता है, आज देश में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस नव-मध्यम वर्ग की अपनी आकांक्षाएँ और सपने हैं। इस वर्ष, सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को

इसके साथ ही, 22 सितंबर से नवरात्रि की शुरूआत हो रही है...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता को संबोधित करना शुरू किया। इस दौरान कयास लगाए जा रहे हैं कि पीएम मोदी जीएसटी सुधारों को लेकर बड़ी जानकारी दे सकते हैं। इसके साथ ही, 22 सितंबर से नवरात्रि की शुरूआत हो रही है, इसे लेकर भी पीएम मोदी देश को संबोधित कर सकते हैं।

कर-मुक्त करके एक उपहार दिया और स्वाभाविक रूप से, जब 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट मिलती है, तो मध्यम वर्ग के जीवन में एक बड़ा बदलाव आता है। पीएम मोदी ने कहा, "मुझे याद है, 2014 में जब देश ने मुझे प्रधानमंत्री पद की ज़िम्मेदारी सौंपी थी, उस शुरूआती दौर का एक दिलचस्प वाकया एक विदेशी अखबार में छपा था। उसमें एक कंपनी की मुश्किलों का ज़िक्र था। कंपनी का कहना था कि अगर उसे अपना माल बेंगलुरु से 570 किलोमीटर दूर हैदराबाद भेजना हो, तो यह इतना मुश्किल होगा कि उन्होंने इस पर विचार किया और कहा कि वे चाहेंगे कि कंपनी पहले बेंगलुरु से अपना माल यूरोप भेजे और फिर वही माल यूरोप से हैदराबाद भेजे। साथियों, उस समय टैक्स और टोल की जटिलताओं के कारण यही स्थिति थी... उस समय, लाखों देशवासियों के साथ-साथ ऐसी लाखों कंपनियों को भी तरह-तरह के टैक्स के जाल में रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता था। एक शहर से दूसरे शहर सामान पहुँचाने में जो बढ़ा हुआ खर्च होता था, उसका बोझ गरीब जनता पर पड़ता था, और आप जैसे ग्राहकों पर भी पड़ता था। देश को इस स्थिति से मुक्त कराना जरूरी था।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "कल से देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो रहा है। आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पसंदीदा चीजें खरीद सकेंगे...जीएसटी बचत उत्सव से समाज के सभी वर्गों को लाभ होगा...

नवरात्रि की शुभकामनाएं दी

पीएम मोदी ने कहा, "कल से नवरात्रि का पर्व शुरू हो रहा है। मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। नवरात्रि के पहले दिन से देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। कल, नवरात्रि के पहले दिन

बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर भड़के सिद्धारमैया, नगर निगम को दिया एक महीने का अल्टीमेटम

बेंगलुरु (एजेंसी): कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु की सड़कों की बदहाली पर नगर निगम अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने सड़कों के गड्ढे भरने और शहर की सभी सड़कों को यातायात के लिए अनुकूल बनाने के लिए अधिकारियों को एक महीने का समय दिया है। सड़क सुधार और यातायात व्यवस्था पर बुलाई गई एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की सुस्ती पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। खराब सड़कों पर मुख्यमंत्री का गुस्सा सिद्धारमैया ने अधिकारियों से सवाल किया, 'क्या आपको लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलें दिखाई नहीं देतीं? आपने तुरंत कदम क्यों नहीं उठाए?' उन्होंने वार्ड और मुख्य अभियंताओं को तुरंत कार्रवाई करने

का निर्देश दिया और सख्त लहजे में चेतावनी दी कि एक महीने के भीतर गड्ढे भरने और सड़कों को ठीक करने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी इसमें नाकाम रहे तो उनके खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की जाएगी। यह फटकार ऐसे समय में आई है जब बेंगलुरु की एक लॉजिस्टिक्स कंपनी ब्लैकबक ने खराब सड़कों और भारी ट्रैफिक जाम के कारण आउटर रिंग रोड स्थित अपना कार्यालय बदलने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ राजेश याबाजी ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया था। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस पर बेफिक्री दिखाते हुए कहा था कि सरकार इस तरह की 'धमकियों या ब्लैकमेलिंग' की परवाह नहीं करती। मुख्यमंत्री ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि बेंगलुरु विकास प्राधिकरण (बीडीए), बीएम आरसीएल (बीएमआरसीएल) और बीडब्ल्यूएसएसबी (बीडब्ल्यूएसएसबी) जैसे विभागों के बीच कोई समन्वय नहीं है। उन्होंने मुख्य आयुक्त को सभी पांचों क्षेत्रीय आयुक्तों के साथ साप्ताहिक बैठकें करने और लगातार संपर्क में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सड़कों का काम मानसून से पहले क्यों नहीं किया जाता। नगर निगम द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, ग्रेटर बेंगलुरु में 14,795 गड्ढे थे, जिनमें से 6,749 भरे जा चुके हैं, जबकि 8,046 गड्ढे अभी भी बाकी हैं।

बदल जाएगी भारत की तकदीर! इस राज्य की धरती के नीचे छिपा है 1 लाख टन सोना 23 हेक्टेयर में फैला है सोने का समंदर

भोपाल (एजेंसी): मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में जमीन के नीचे 1 लाख टन से अधिक सोना दबा होने का अनुमान है। यह कीमती खजाना जिले के चकरिया गोल्ड ब्लॉक में लगभग 23.57 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह खोज न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी, बल्कि देशभर में खनन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरूआत भी मानी जा रही है। अब यहां से जमीन का सीना चीरकर निकलेगा असली सोना जो बदलेगा राज्य का भविष्य। अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां करीब 1.33 लाख टन से अधिक सोने का भंडार जमीन के नीचे मौजूद है, जो कि प्रदेश को देश के अग्रणी खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल करने की दिशा में एक बड़ा

कदम हो सकता है। कैसे और कहां मिला सोने का भंडार? सिंगरौली के चकरिया इलाके में विस्तृत भूवैज्ञानिक सर्वे और परीक्षणों के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि करीब 23.57 हेक्टेयर क्षेत्र में सोने की भारी मात्रा में उपलब्धता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस खनिज संपदा से लगभग 1 लाख 76 हजार 600 ग्राम शुद्ध सोना निकाला जा सकता है। यह खोज न सिर्फ राज्य के लिए आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। खनन का जिम्मा किसे मिला? इस बहुमूल्य सोने की खदान को व्यावसायिक रूप देने के लिए राज्य सरकार ने चकरिया गोल्ड ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस प्रक्रिया में अडानी समूह की कंपनी गरिमा नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड ने सफलता हासिल की है। कंपनी अगले 5 वर्षों में करीब 18,536 टन सोना निकालने की योजना पर काम करेगी। इसके लिए अत्याधुनिक मशीनरी और तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मध्य प्रदेश बनेगा 'मिनरल स्टेट ऑफ इंडिया'? मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर उत्साह जताते हुए कहा है कि यह खोज प्रदेश को 'मिनरल स्टेट ऑफ इंडिया' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल एक शुरूआत है, आने वाले समय में मध्य प्रदेश देश के सबसे समृद्ध खनिज क्षेत्रों में से एक बनकर उभरेगा। सिर्फ सोना नहीं, सिंगरौली है खनिजों का खजाना सिंगरौली जिले की भौगोलिक

राहुल के बाद तेजस्वी यादव की यात्रा में भी पीएम मोदी की मां का अपमान, भाजपा हुई हमलावर

बिहार (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाजपा ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का दूसरा सार्वजनिक अपमान बताया है। इससे पहले, राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान भी इसी तरह की घटना हुई थी, जब दरभंगा में एक व्यक्ति ने मंच से पीएम मोदी की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद काफी बवाल मचा था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस घटना पर एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यह बिहार की संस्कृति का अपमान है। उन्होंने तेजस्वी यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे अपने कार्यकर्ताओं को इस तरह की

'गुंडागर्दी' और 'अपमानजनक व्यवहार' के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। चौधरी ने चेतावनी दी कि बिहार की महिलाएं इस पर जरूर जवाब देंगी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भी इस मामले में तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने तेजस्वी की तुलना पौराणिक पात्र 'कंस' और 'कालिया नाग' से की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और उनकी मां का बार-बार अपमान करके ये लोग पाप कर रहे हैं। राय ने तेजस्वी को चेतावनी देते हुए कहा कि बिहार की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में अपने वोटों से इसका करारा जवाब देगी। इसी तरह, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी एक्स पर लिखा कि तेजस्वी यादव की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की दिवंगत मां को गालियां देना 'चौंकाने वाला' है और यह विपक्ष की 'मानसिकता' को दशार्ता है। यह घटना दशार्ती है कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद भी राजनीतिक दलों के बीच व्यक्तिगत और तीखे हमलों का दौर जारी है।

22 सितंबर से लागू होंगी जीएसटी की नई दरें, एमआरपी देखकर ही करें खरीदारी, कहीं दुकानदार न ठग लें!

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) दरों में किया गया महत्वपूर्ण बदलाव सोमवार, 22 सितंबर से लागू होगा, जिसका सीधा असर आम नागरिकों की जेब पर पड़ेगा। इस बदलाव के बाद, जीएसटी की मुख्य दरें अब केवल दो 5% और 18% होंगी। इसके अलावा, 40% की एक विशेष दर पान मसाला, सिगरेट और काबोर्नेटेड पेय पदार्थों जैसी चुनिंदा वस्तुओं पर लागू होगी। जीएसटी दरों में बदलाव: सस्ता और महंगा क्या? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया है कि मध्यम वर्ग द्वारा इस्तेमाल होने वाली कई इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, जैसे टीवी और एयर कंडीशनर, को 18% वाले स्लैब में रखा गया है। क्या होगा सस्ता: रोजमर्रा की जरूरतों की चीजें जैसे पैकेज्ड फूड, खाद्य तेल, घरेलू सफाई के उत्पाद, और छोटी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं (चार्जर, ईयरफोन) सस्ती होंगी। बेंगलुरु जैसे शहरों में, ऐप-आधारित ऑटो और कैब की सवारी भी सस्ती हो जाएगी। सामान्य बीमारियों

की दवाएं और मेडिकल उपकरण भी कम दरों में उपलब्ध होंगे। क्या होगा महंगा: रेस्टोरेंट में खाना, खासकर एयर-कंडीशन्ड और प्रीमियम आउटलेट्स में, महंगा हो जाएगा। इसके अलावा, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन जैसे उपभोक्ता टिकाऊ सामानों के साथ-साथ सैलून और स्पा की सेवाएं और प्रीमियम स्मार्टफोन भी महंगे हो जाएंगे। कुल मिलाकर, इन बदलावों से रोजमर्रा के खर्चों में राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन बाहर खाने या घरेलू उपकरण खरीदने की लागत बढ़ सकती है। उपभोक्ताओं को क्यों रहना चाहिए सावधान? जीएसटी में बदलाव के बाद उपभोक्ताओं के लिए कुछ सावधानियां बरतना जरूरी होगा, खासकर जब वे खरीददारी कर रहे हों। एमआरपी (एमआरपी) की दोबारा जांच क्यों है जरूरी? भ्रम की स्थिति: 22 सितंबर से पहले बने उत्पादों पर पुरानी और नई दोनों एमआरपी हो सकती हैं। इससे दुकानदार अधिक कीमत वसूल सकते हैं। उदाहरण: अगर किसी बिस्किट के पैक की पुरानी कीमत 50 रुपये थी, तो नई दरों के तहत यह 48 रुपये हो सकती है, लेकिन कुछ दुकानदार पुरानी कीमत पर ही बेच सकते हैं। नया नियम: कंपनियों को अब अखबारों में संशोधित एमआरपी का विज्ञापन देने की जरूरत नहीं होगी। वे केवल डीलरों को नई मूल्य सूची भेजेंगी। पैकेजिंग: कंपनियां पुरानी पैकेजिंग का इस्तेमाल 31 मार्च, 2026 तक कर सकेंगी, लेकिन उन्हें स्टिकर या डिजिटल प्रिंटिंग के जरिए नई कीमत दिखानी होगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कंपनियों को इस संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि आप खरीदारी करते समय कीमतों की सावधानीपूर्वक जांच करें ताकि आपको जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ मिल सके।

एच-1बी पर खड़गे के 'खोखले नारे' बयान पर भड़के पूर्व विदेश सचिव, किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल के बयानों का हवाला देते हुए विपक्षी दल कांग्रेस पर पलटवार किया है। रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने एच-1बी वीजा पर अमेरिकी सख्ती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया था। रिजिजू ने कहा कि राजनीति के लिए पर्याप्त समय और स्थान है, लेकिन जब बात राष्ट्रीय हितों की आती है, तो सभी को मिलकर भारत के लिए बोलना चाहिए। खड़गे का आरोप, 'खोखले नारे' विदेश नीति नहीं होते मल्लिकार्जुन खड़गे ने एच-1बी वीजा पर ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख का जिक्र करते हुए कहा था कि पीएम मोदी को ट्रंप से जन्मदिन के फोन कॉल के बाद 'उपहार' के रूप में यह मिला है। उन्होंने मोदी और ट्रंप की 'पुरानी दोस्ती' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'गले मिलना' और 'खोखले नारे' विदेश नीति नहीं होते। खड़गे के अनुसार, विदेश नीति का मतलब राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना और समझदारी व संतुलन के साथ दोस्ती निभाना है। पूर्व विदेश सचिव का जवाब, डोनाल्ड ट्रंप को मोदी के खिलाफ हथियार न बनाएं कांग्रेस अध्यक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि विदेशी

धमकियों के खिलाफ एकजुट होने के बजाय, पीएम मोदी को दोष देना भारत के प्रतिरोध को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अपने सहयोगियों सहित सभी के साथ घिनौना व्यवहार कर रहे हैं। सिब्बल

एच-1बी वीजा पर अमेरिकी सख्ती को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को जिम्मेदार ठहराया, जिस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल के बयानों का हवाला देते हुए पलटवार किया।

ने सवाल उठाया, 'क्या विपक्ष अमेरिका द्वारा हमारी विदेश नीति के विकल्पों पर निर्देशित होने से इनकार कर रहा है?' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान की तरह ट्रंप की सद्भावना हासिल करने के लिए व्यापारिक सौदे नहीं किए। सिब्बल ने आगे कहा कि अगर ट्रंप अपने समर्थकों को खुश करने के लिए अमेरिका की उपलब्धियों को रद्द करना चाहते हैं, तो यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि घरेलू राजनीति के लिए एक गंभीर बाहरी चुनौती का फायदा उठाने की कोशिश करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, 'विदेशी दबाव के खिलाफ आंतरिक एकजुटता, उपहास के बजाय, राष्ट्रीय स्तर पर मददगार होगी।' किरेन रिजिजू ने सिब्बल की पोस्ट को साझा करते हुए उन्हें एक 'अत्यधिक बौद्धिक और विद्वान राजनयिक' बताया, जिनके विचार तीखे और प्रासंगिक होते हैं। रिजिजू ने कहा कि वह सिब्बल के दर्द को समझ सकते हैं, जिसने उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष को ऐसी 'बेहतरीन सलाह' देने के लिए मजबूर किया। एच-1बी वीजा के नए नियम में भारी शुल्क वृद्धि शामिल है, जिससे बड़ी संख्या में भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों पर असर पड़ेगा। केंद्र सरकार ने इस कदम को 'मानवीय परिणाम' और 'परिवारों के लिए व्यवधान' पैदा करने वाला बताया है और उम्मीद जताई है कि अमेरिकी अधिकारी इन मुद्दों का उचित समाधान करेंगे।

और भावनाओं पर आधारित है।

संकटकाल में संगठ
आवश्यकता पड़ने

संपादकीय

अमेरिका ने बढ़ा दी चिंता

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच कुछ ऐसा हो गया है जो इस प्रयास में गंभीर अड़ंगा डाल सकता है। अमेरिका से एक बुरी खबर आई है जो कुछ भारतीयों की संदेहास्पद हरकतों पर रोशनी डालती है, जिससे रिश्तों में फिर खटास आ सकती है। कथित तौर पर इन लोगों में कुछ व्यावसायिक अधिकारी और कुछ बड़े कॉरपोरेट नेता शामिल हैं। मामला दर्दनाशक दवाओं के नाम पर ऐसे दवा अनुपूरकों ('फेंटेनाइल प्रीकर्सर') की तस्करी से जुड़ा है जिसे अमेरिका में अक्षम्य अपराध माना जाता है क्योंकि अमेरिका की युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल मादक पदार्थ के रूप में करती है। यह लत अमेरिका में राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी है। अमेरिका ने 'फेंटेनाइल प्रीकर्सर' की तस्करी में कथित संलिप्तता के चलते कुछ भारतीय व्यावसायिक अधिकारियों और कॉरपोरेट नेताओं के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें आगे वीजा देने से इनकार कर दिया गया है। हालांकि उन कारोबारी नेताओं की पहचान उजागर नहीं की गई है जिनके वीजा रद्द कर दिए गए। इस मुद्दे पर नई दिल्ली की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फेंटेनाइल प्रीकर्सर का आशय उन रसायनों से है जिनसे मादक पदार्थ बनाए जाते हैं। अमेरिकी दूतावास का कहना है कि जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे और उनके परिजन हमेशा के लिए अमेरिका यात्रा के लिए अयोग्य करार दिए जा सकते हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिका में फेंटेनाइल और इससे संबंधित उत्पादों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस साझा चुनौती से निपटने में भारत सरकार में अपने समकक्षों के घनिष्ठ सहयोग के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर काम करने से ही हमारी दोनों सरकारें इस अंतरराष्ट्रीय खतरे का समाधान कर पाएंगी और दोनों देशों के लोगों को अवैध नशीले पदार्थों से सुरक्षित रख पाएंगी। इसका आशय यह है कि सारा मामला भारत सरकार के संज्ञान में है। तब तो इस मामले में भारत की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। 2025 की एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भारत और चीन को मादक पदार्थों, उपकरणों और रसायनों की तस्करी का प्रमुख स्रोत कहा जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में तस्करी की जाने वाली घातक दवाएं हैं, जिनके कारण 2024 में 52,000 से अधिक मौत हो चुकी हैं।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नवरात्र : शक्ति की आराधना का महापर्व

हर्षवर्धन पान्डे

नवरात्र भारतीय संस्कृति में एक पवित्र पर्व है जो दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक माना जाता है। यह नौ रातों और दस दिनों का उत्सव माँ दुर्गा की पूजा और उनके नौ रूपों के सम्मान में मनाया जाता है। नवरात्र का अर्थ है नौ रातें और यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र मार्च-अप्रैल और शारदीय सितंबर-अक्टूबर में उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है।

एक ही परम तत्व परमपुरुष पराशक्ति के रूप में सर्वत्र व्यापक है। शास्त्रकारों ने एक ही शक्ति को कभी पुरुष के रूप में तो कभी देवी के रूप में स्वीकारा है। सब के घट में एक समान विराजमान वह दिव्य शक्ति प्रकाश के रूप में हमेशा मौजूद रहती है जिसे जीवन शक्ति कहा जाता है और उसका दर्शन होना ही शक्ति की आराधना है। दुष्टों का संहार करके भक्तों की रक्षा करने हेतु कभी काली तो कभी दुर्गा के रूप में उस शक्ति का अवतरण इस धरा पर हुआ है। दुर्गा जी की पूजा अर्चना का विधान वेद, पुराण, उपनिषदों हिन्दुओं के अन्य धर्मशास्त्रों में भी मिलता है। वेद में एकोएहं बहुस्याम और अजाय मानों बहुधा ब्यजायत के रूप में और देवी पुराण में सा वाणी साच सावित्री विप्राधिष्ठात वहां सर्व दुर्गा के रूप में संस्थापित है। मार्कण्डेय पुराण में स्वयं मान जएकैवाहं जगत्यत्र द्वितीया का ममापरा। पश्यैता दुष्ट मय्येव विशन्त्यो मद्विभूतयः अर्थात मैं ही दुर्गा हूँ , सर्वशक्ति स्वरूपा हूँ और मुझमें ही पूरी सृष्टि विलीन है। आशय यह है कि यह विशाल सृष्टि उत्पन्न होती है, बढ़ती है और विभिन्न रूपों में परिवर्तित होकर अंत में विनिष्ट हो जाती है।

देवी पुराण में एक बड़े रोचक कथा प्रसंग की चर्चा की गयी है। अक्सर भ्रम में पड़ जाने वाले देवर्षि नारद को एक बार भ्रम हो गया। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों सर्वश्रेष्ठ हैं तो भला ये तीनों किस महाशक्ति का स्मरण करते हैं ? नारद जी अपने सन्देश निवारण हेतु शिव के पास गए और बोले मुझे ब्रह्मा, विष्णु और महेश से बढ़कर कोई अन्य देवता नहीं दिखाई देता है फिर आप तीनों से ऊंचा कौन है जिसकी उपासना और स्मरण आप करते हैं ? शिव मुस्कुराये और बोले हे ऋषिवर सूक्ष्म और शूल शरीर से परे जो महाप्राण आदिशक्ति जगदम्बा है वही तो परब्रह्म स्वरुप है। वह केवल अपनी इच्छा मात्र से ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार करने में समर्थ है। वस्तुतः वह आदिशक्ति दुर्गा निर्गुण स्वरूप है परन्तु उसे किसी भी रूप मे मन समय -समय पर धर्म की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए साकार होना पड़ता है। इसी समय-समय पर पार्वती,दुर्गा,काली, चंडी, सरस्वती आदि अवतार धारण किये हैं। इसी जगत जननी का सभी देव भी स्मरण करते हैं। वैसे भी आदिशक्ति स्वरुप दुर्गा में सभी देवताओं का कुछ न कुछ अंश शामिल है।

दुर्गाशप्तशती के दूसरे अध्याय में देवी स्वरुप का वर्णन करते हुए बतलाया गया है भगवान शंकर के तेज से उस देवी का मुख प्रकट हुआ। यमराज के तेज से मस्तक के केश, विष्णु के तेज से भुजाएं, चन्द्रमा के तेज से स्तन, इंद्रा के तेज से कमर, वरुण के तेज से जंघा, पृथ्वी के तेज से नितम्ब, ब्रह्म के तेज से चरण, सूर्य के तेज से दोनों पैरों की अंगुलियां, वसुओं के तेज से दोनों हाथों की अंगुलियां, प्रजापति के तेज से सम्पूर्ण दांत, अग्नि के तेज से दोनों नेत्र, संध्या के तेज से भौहें, वायु के तेज से कान, अन्य देवताओं के तेज से देवी के भीं- भीं अंग बने। इसी प्रकार सभी अमोघ शक्तियों से दुर्गा के रूप में एक आदिशक्ति का सृजन किया गया इसलिए यह स्वरुप सभी देवताओं के लिए स्मरणीय हो गया। आज दो नवरात्रि के रूप में माँ जगदम्बा की पूजा शारदीय और वासंतीक दोनों नवरात्र दोनों में जारी है। शारदीय नवरात्र आश्विन मास में और वासंतिक नवरात्र अभी चैत्र माह में होते हैं। चैत्र वर्ष प्रतिपदा से हिन्दुओं का नया संवत्सर शुरू होता है। दोनों नवरात्र का समान महत्व है। नौ दिन और नौ रातों तक माँ दुर्गा के नौ अलग -अलग रूपों की पूजा की जाती है। यह आज तक रहस्य बना हुआ है। दुर्गा की पूजा सबसे पहले राम ने की या किसी अन्य ने लेकिन इतना तय है लंका पर चढ़ाई और रावण वध से पहले राम ने आदिशक्ति स्वरूप मानकर दुर्गा जी की पूजा की। यह स्थान भी रामेश्वरम के नाम से जाना जाता है। नवरात्र महोत्सव आसुरी शक्ति पर दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक है। नवरात्र में प्रथमा से लेकर नवमी तक शक्ति के 9 स्वरूपों की पूजा -अर्चना होती है। ये नौ शक्तियां बहनों का स्वरुप हैं और इन नौ शक्तियों के विभिन्न नाम रूप के कारण शारदीय नवरात्र उत्सव का उल्लास देखते ही बनता है।

9 दिनों में लोगों की भक्ति भावना, आस्था और शक्ति देखते ही बनती है। माता की नौ शक्तियों के नाम हैं शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धदात्री। प्रत्येक दिन माँ दुर्गा के एक अलग रूप की पूजा की जाती है।जैसे प्रथम दिन शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कुष्मांडा, पांचवे दिन स्कंदमाता,छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी और नवें दिन सिद्धिदात्री। ये नौ रूप नारी शक्ति के विभिन्न पहलुओं को भी दशार्ते हैं। नवरात्र में अंतिम दिन पर कन्या पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन नौ कुमारी कन्याओं को देवी स्वरुप मानकर लोग उनका विशेष पूजन भोजन, उपहार देकर करते हैं। कन्या पूजन में दो वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की कन्याओं को पूजा जाता है। दस वर्ष से अधिक वर्ष की कन्याओं का पूजन वर्जित है। दो वर्ष की कन्या कन्याकुमारी , तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी , पांच वर्ष की रोहिणी, छह वर्ष की ;काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष की सुभद्रा स्वरूपा मानी गयी है।

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाजी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं। वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाजी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बनीर्हाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाजी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रस्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि ह्लबिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है।ह्व लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाजी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना।

नरेन्द्र मोदीः राजनीतिक अभिजातवर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

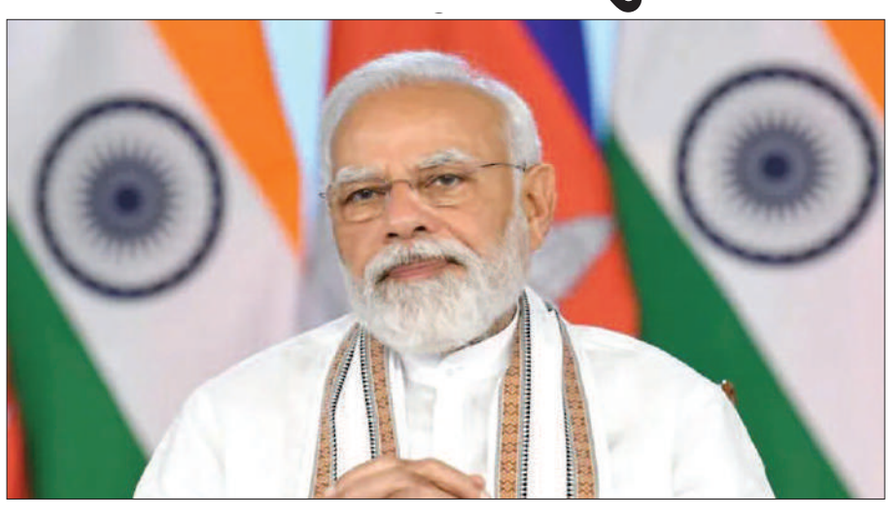

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली जमीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्ता व्यदवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है।

वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया।

उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यंतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुनल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोजमर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यरकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया।

ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्ये का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुपल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है।

इन शुरूआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस जमीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली।

इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की। बाद में, विभिन्न राज्यों के प्रभारी के रूप में उन्होंने बूथ स्तर तक मजबूत पार्टी तंत्रों का निर्माण किया।

साल 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने पर उन्होंने ये सबक शासन में लागू किए। उदाहरण के लिए, पदभार ग्रहण करने के चंद घंटे बाद ही उन्होंने साबरमती में नर्मदा का जल लाने के विषय में एक बैठक बुलाकर इस बात का संकेत दिया कि निर्णायक कार्रवाई उनके प्रशासन को परिभाषित करेगी। उनका दृष्टिकोण शासन को एक जन आंदोलन बनाना था, जहाँ प्रवेशोत्सव ने स्कूलों में नामांकन को प्रोत्साहित किया, कन्या केलवणी ने बालिकाओं की शिक्षा का समर्थन किया, गरीब कल्याण मेलों ने कल्याण को नागरिकों तक पहुँचाया, और कृषि रथ ने कृषि सहायता को किसानों के खेतों तक पहुँचाया। नौकरशाहों को दफ्तरों से निकालकर कस्बों और गाँवों तक भेजा गया। उनका मानना है कि शासन लोगों तक वहाँ पहुँचे जहाँ वे रहते हैं, न कि केवल मीटिंग कक्षों तक सीमित रहे।

उनके प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद गुजरात में किए गए प्रयोग राष्ट्रीय आदर्श बन गए। स्वच्छता अभियानों के उनके अनुभव ने स्वच्छ भारत मिशन का रूप लिया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मकता को सामूहिक कार्रवाई में बदलने के लिए स्वयं झाड़ू उठाई। डिजिटल इंडिया, जन-धन योजना और अन्य पहल शीर्ष से शुरू किए गए कार्यक्रम नहीं थे, बल्कि जमीनी स्तर पर बिताए उनके वर्षों से प्राप्त सीखों पर आधारित जन-आंदोलन थे। इन्होंनने जन-भागीदारी के उनके दर्शन को मूर्त रूप दिया, जहाँ शासन तभी कारगर होता है, जब नागरिक निष्क्रिय प्राप्तकर्ता न बने रहकर, स्वायं भागीदार बनें। मोदी जैसे नेता और जनता के बीच दशकों से विकसित इसी विश्वास ने आज के भारत में नीति को साझेदारी में बदल दिया है।

दशकों से, मोदी बैठकों में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जीवंत संपर्क की बदौलत लोगों की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने के तरीकों को जानने की दुर्लभ सहज प्रवृत्ति प्रदर्शित करते आए हैं। यह प्रवृत्ति कठोर प्रशासनिक अनुभव के साथ मिलकर उनकी राजनीति को परिभाषित करती है।

मूलभूत रूप से, उनके जीवन और नेतृत्व ने भारतीय राजनीति के केवल अभिजात वर्ग से संबद्ध होने की धारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है। वह योग्यता और परिश्रम का प्रतीक बन चुके हैं तथा वह शासन को जनसाधारण के और करीब ले आए हैं। उनकी राजनीतिक शक्ति सत्ता को जनता से जोड़ने में निहित है। ऐसा करके, उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नया रूप दिया है, जो आम नागरिक के संघर्षों और भावनाओं पर आधारित है।

(केंदीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री)

ब्रह्माकुमारीज व श्री वेंकेटेश्वरा विश्वविद्यालय के मध्य बनी सहमति

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- आगामी 12 अक्टूबर को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के हेडक्वार्टर माउंट आबू में आयोजित होने जा रही "अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 2025" में कई राज्यों के मुख्यमंत्री, महामहिम/राज्यपालों देश एवं विदेशों राजनयिकों एवं 10000 से अधिक शिक्षाविदों के मध्य इस अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक करार पर हस्ताक्षर करके एक दूसरे संस्थान को सौंपेंगे। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एवं उत्तर भारत के अग्रणी शैक्षिक समूह वेंकटेश्वरा दोनों मिलकर पूरे विश्व में वैल्यू एजुकेशन, योग एवं आध्यात्मिक शिक्षा के लिए काम करेंगे। संस्थापक सुधीर गिरी ने कहा कि शैक्षिक समूह चिकित्सा शिक्षा, उच्च शिक्षा तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा में जब तक संस्कारों एवं राष्ट्र प्रेम का समावेश नहीं होगा तब तक उसका उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकूलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने उच्च शिक्षा में शोध, अनुसंधान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक गठबंधन, योग एवं आध्यात्मिक शिक्षा के बल पर वेंकटेश्वरा को देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में शुमार कराने की बात कही। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के लिए के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय व श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के मध्य राजयोग, मेडिटेशन एवं संस्कार शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए साझा संचालन पर सहमति बनी है। इस आशा की जानकारी इस आशय की जानकारी आज दोनों विश्वविद्यालय के बीच सहमति पत्र एक्सचेंज करने के बाद संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरी के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी व प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की एजुकेशन विंग के इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर बीके पांडुमानी ने संयुक्त रूप से दी। ब्रह्माकुमारीज की ओर से इस उपलब्धि के लिए प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी व इस शैक्षणिक समझौते के सूत्रधार बने विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति डॉ श्रीगोपाल नारसन का अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया। वही श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने बीके पांडिमणि ,बीके जयकुमार, बीके सतेंद्र भाई, राजयोगिनी बीके मीना दीदी का स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के रुड़की स्थित रिजिनल कार्यालय में राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की एजुकेशन विंग के इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर बीके पांडुमानी, श्री वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरी के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी, बीके सुशील, संयोजक एवं विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उप कुलपति डॉ गोपाल नारसन बीके डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, आदि ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर बीके डॉ कृपाल सिंह की पुस्तक "रामायण व महाभारत का आध्यात्मिक रहस्य" का विमोचनभी किया गया। ब्रह्मकुमार सुशील भाई के संचालन में अतिथियों का स्वागत रुड़की सेवा केंद्र प्रभारी बीके गीता दीदी,बीके दीपिका, बीके सपना, बीके पारुल ने किया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कृष्णकांत दवे, कुलसचिव डॉ अमित पीयूष पांडे,अंबाला ब्रह्माकुमारीज केंद्र से बीके शैली,यशपाल भाई, विनय गुप्ता, लक्ष्मण सिंह,मुनेंद्र भाई, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि मौजूद रहे।

पितृ अमावस्या पर तिगरी रोड पर 8 घंटे तक जाम से जूझते रहे श्रद्धालु

जाम खुलवाने में पुलिस के छूटे पसीने, कुमराला से गंगा धाम तिगरी तक लगा लंबा जाम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- पितृ अमावस्या पर तिगरी रोड पर करीब 8 घंटे तक श्रद्धालु जाम के झाम से जूझते रहे उधर जाम को खुलवाने में पुलिस प्रशासन के भी पसीने छूट गए। तिगरी रोड पर कुमराला से गंगा धाम तिगरी तक जाम की लंबी कतार श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरी हुई लगती दिखाई दी। बता दें कि रविवार को पितृ अमावस्या के अवसर पर तिगरी गंगा धाम में स्नान के लिए श्रद्धालु का आवागमन शनिवार की शाम से ही शुरू हो गया था इस दौरान रात भर तिगरी रोड पर श्रद्धालु का आवागमन जारी रहा। रविवार की सुबह करीब 3:00 बजे से तिगरी रोड पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती दिखाई दी, देखते ही देखते रोड पर जाम की स्थिति बननी शुरू हो गई जिसके चलते तिगरी रोड स्थित कुंभराला से गंगा धाम तिगरी तक जाम की लंबी कतार लगनी शुरू हो गई। हालांकि शासन प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम पहले से ही कर रखे थे जिसमें प्रशासन द्वारा कई जगहों पर जाम की स्थिति ना बने इसके लिए रूट डायवर्जन भी किया हुआ था लेकिन इसके बावजूद भी कुमराला से गंगा धाम तिगरी तक श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरी एक लंबी कतार जाम के रूप में तिगरी रोड पर लगती दिखाई दी। इस दौरान तिगरी गंगा धाम आने जाने वाले श्रद्धालुओं को करीब 8 घंटे जाम की स्थिति से बुरी तरह जूझना पड़ा। वहीं इस जाम को खुलवाने के लिए शासन प्रशासन को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा जिसको खुलवाने में पुलिस के पसीने छूटते दिखाई दिए।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत हसनपुर पुलिस ने लावारिस बच्चे को उसके परिजनों से मिलाया

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ऑपरेशन मुस्कान के तहत 8 वर्ष के बच्चे को पुलिस के द्वारा सीसीटीवी कैमरे व सभी थानों पर दूरभाष के माध्यम से जानकारी कर बच्चे को परिजनों के सुपुर्द किया गया। ज्ञात रहे कि शनिवार शाम को थाना हसनपुर पर पीआरवी 5361 के इवेन्ट नं0 15122 की सूचना से प्राप्त 08 वर्ष का बच्चा जिसे अपने परिजनों के नाम पते के बारे में कोई जानकारी नही थी और न ही वह अपना नाम पता बता पा रहा था, जिसे थाने पर लाया गया और प्राईवेट कपडों में एक आरक्षी की निगरानी में थाना कार्यालय में बैठाया गया, जिसके परिजनों की जानकारी थाना हसनपुर पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों व जनपद के सभी थानों पर द्वारा दूरभाष जानकारी प्राप्त कर अथक प्रयास के बाद बच्चे को उसके परिजनों की जानकारी कर तथा थाने पर बुलाकर बच्चे को उसके परिवारजनों के सुपुर्द किया गया, परिवारीजनों द्वारा पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की गयी व धन्यवाद दिया गया ।

महिला उत्पीडन की रोकथाम को लेकर 24 सितंबर को होगी महिला जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउसो सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा/ महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद के ब्लॉक हसनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 सितंबर को सुबह 11:00 बजे चयनित स्थान पर मिशन शक्ति के अंतर्गत पोषण पंचायत कार्यक्रम का आयोजन सदस्य संगीता जैन व पदाधिकारीयो के नेतृत्व में कराया जाएगा।

ज़िले में की गई साक्षरता परीक्षा आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 73 परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत नोडल अध्यापकों के द्वारा उल्लास पोर्टल पर कुल 356 असाक्षर लोगों का पंजीकरण कराया गया था । पंजीकृत 356 असाक्षर परीक्षार्थियों में से 345 परीक्षार्थियों ने अपनी परीक्षा मैं प्रतिभाग किया। परिषदीय विद्यालयों में प्रातः 10 से 5 के बीच में साक्षरता परीक्षा कराई गई। साक्षरता की परीक्षा में 18 वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति परीक्षा दे सकता है। परीक्षा में पास होने वाले लोगों को परीक्षा उत्तीर्ण करने का सर्टिफिकेट निदेशालय साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा लखनऊ के द्वारा दिया जाएगा परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र संबंधित विद्यालयों को उपलब्ध करा दिए गया था। संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापको के द्वारा असाक्षर लोगों की परीक्षा आयोजित कराई गई ।

अमरोहा शहर में 23 सितंबर से शुरू होगी आदर्श रामलीला महोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के जेएस हिंदू इंटर कॉलेज रामलीला मैदान में इस वर्ष भी भव्य तरीके से आदर्श रामलीला महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। मंगलवार, 23 सितंबर से शुरू होने वाले इस महोत्सव की तैयारियां श्री धार्मिक रामलीला कमेटी (अपंजीकृत) ने पूर्ण कर ली हैं। कमेटी के कोषाध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल, मंत्री शारदुल अग्रवाल, राकेश वर्मा, संरक्षक कुरुणेश गोयल, विमल कुमार टंडन सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। इस बार रामलीला में टीवी चैनल के कलाकार भी हिस्सा लेंगे, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण होगा। कमेटी ने शहरवासियों से अनुरोध किया है कि वे रामलीला महोत्सव में पहुंचकर इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लें। यह महोत्सव हर वर्ष की तरह इस बार भी भक्ति, भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। सभी लोग इस पावन अवसर पर एकत्रित होकर भगवान श्रीराम के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

पितृ अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी

पितरों की शांति के लिए घाट पर की पूजा अर्चना

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को पितृ अमावस्या के अवसर पर गंगा धाम तिगरी में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई साथ ही अपने पितरों की आत्मा शांति के लिए घाट पर बैठकर पुरोहितों से पूजा अर्चना कराई और बाद में उन्हें अर्ध देकर परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए अपने पितरों से मनोकामना की। बता दें कि पितृ अमावस्या के अवसर पर गंगा धाम तिगरी में पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन शनिवार के शाम से ही शुरू हो गया था रविवार की सुबह करीब 3:00 बजे से गंगा धाम तिगरी घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई और दिन निकलते ही गंगा घाट श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरता दिखाई दिया। गंगा घाट पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने अपने ऊत पितरों की शांति के लिए घाट पर स्नान के बाद पुरोहितों से पूजा अर्चना कराई इसके बाद उन्होंने अपने पितरों की आत्मा शांति के लिए उन्हें अर्धय देकर अपने और अपने परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की इसके अलावा घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शासन प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट दिखाई दिया।

रिक्रूट आरक्षियों के स्वास्थ्य की जाँच के लिए किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में स्थित आर.टी.सी. कैम्पस डिडौली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के स्वास्थ्य की जाँच हेतु जिला अस्पताल अमरोहा के चिकित्सको द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षु आरक्षियों के समुचित स्वास्थ्य परीक्षण हेतु जिला अस्पताल अमरोहा के चिकित्सकों की टीम द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जाँचें जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, हीमोग्लोबिन, बी.एम.आई. (शरीर भार सूचकांक), नेत्र परीक्षण एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। साथ ही चिकित्सकों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक श्रम व मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए आवश्यक आहार, व्यायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के बारे में विस्तृत परामर्श भी दिया गया। स्वास्थ्य शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणरत रिक्रूट आरक्षियों की शारीरिक क्षमता एवं स्वास्थ्य स्तर की निगरानी कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना तथा उन्हें फिट एवं स्वस्थ बनाए रखना था। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान प्राप्त आँकड़ों को अभिलेखित कर चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर फॉलोअप जाँच करने की भी व्यवस्था की गई है । इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाईन एवं प्रतिसार निरीक्षक एवं आर.टी.सी प्रभारी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद रहे।

लूट की झूठी सूचना का पुलिस ने किया खुलासा

उधार लिए रुपए न चुकाना पड़े पुलिस ने परिजनों के सामने किया घटना का खुलासा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत हसनपुर पुलिस द्वारा ऑनलाइन गेम एवियेटर में रुपये हारने पर अपने मित्र से उधार लिये रूपयो को चुकाने के उद्देश्य से स्वयं के साथ लूट की झूठी सूचना देकर अभियोग पंजीकृत कराने की घटना का खुलासा किया है। 18 सितम्बर को थाना हसनपुर पर वादी भारत पुत्र सतपाल सिंह निवासी ग्राम बिडला थाना गजरौला द्वारा अपने साथ 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 01 मोबाईल फोन ओप्पो कम्पनी व 43,000 लूट लेने के सम्बन्ध में थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 385/2025 धारा 309(4) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया था । घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्राधिकारी हसनपुर व प्रभारी थाना हसनपुर को पुलिस टीमें गठित कर घटना का शीघ्र खुलासा करने करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में सर्विलांस, सीडीआर, साक्ष्य संकलन एवं सीसीटीवी फुटेज तथा वादी से की गयी पूछताछ तथा जनसेवा केन्द्र से प्राप्त वादी के खाते की डिटेल से तथा वादी द्वारा स्वंय चलकर ग्राम दयावली खालसा के बंधे के पास से लूटे हुए मोबाईल की बरामदगी के आधार पर प्रकरण में पंजीकृत अभियोग में दशार्यी गयी घटना झुठी पायी गयी । वादी भारत के द्वारा ऑनलाइन गेम एवियेटर में रुपये हारने पर अपने मित्र से उधार लिये रूपयो को चुकाने के उद्देश्य से स्वयं के साथ लूट की झूठी सूचना देकर अभियोग पंजीकृत कराने की बात सामने आई। रविवार को थाना हसनपुर पुलिस द्वारा लूट की झूठी सूचना में अभियोग पंजीकृत कराने की घटना का खुलासा किया गया है। वही पुलिस पूछताछ में भारत ने अपने परिजनों के सामने स्वीकार किया गया कि उसके द्वारा 18 सितम्बर को अपनी मम्मी देवेन्द्री देवी को छोडने के लिए ग्राम क्रियावली थाना नरसैना जनपद बुलंदशहर गया था जहाँ उसके मामा के लडके नितिन द्वारा 43,000 रुपए अंकित पुत्र उधल निवासी ग्राम दयावली खालसा को देने हेतु दिये थे, जिन्हे लेकर वादी गांव दयावली खालसा के लिये चला था, तभी उसके दिमाग में यह प्लान आया कि वह अपने साथ लूट की घटना दिखाकर रूपयों से उधार लिये अपने मित्र के रुपए वापस कर देगा। परन्तु वादी ने 43,000 रुपए ऑनलाइन अपने खाते में कस्बा हसनपुर आकर जन सेवा केन्द्र से अपने मोबाईल नंबर पर ट्रांसफर कराये थे । जिसका खुलासा करने हेतु वादी व वादी के परिजनों को साथ लेकर जनसेवा केन्द्र कस्बा हसनपुर आये तथा जनसेवा केन्द्र के मालिक द्वारा ऑनलाइन डिटेल दी तो एक बार में 30,000 व दूसरी बार में 10,000 रुपए वादी के मोबाईल के यूपीआई स्कैनर पर भेजे गये जिसकी छायाप्रति उपलब्ध कराई तथा मोबाईल के सम्बन्ध में पूछा गया तो बताया कि ग्राम दयावली खालसा बांध पर भरे पानी में तोडकर फेंक दिया था।

जैतपुर गांव में जलभराव और गंदगी का कहर, ग्रामीणों ने लगाए विकास कार्यों में लापरवाही के आरोप

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत जैतपुर गांव में लंबे समय से जलभराव, कीचड़ और गंदगी की समस्या ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। गांव की सड़कें हमेशा तालाब बनी रहती हैं, जिससे मच्छरों और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और प्रशासनिक अधिकारियों पर विकास कार्यों में अनदेखी का आरोप लगाते हुए गहरी नाराजगी जताई है। ग्रामीण प्रेमपाल पुत्र दीपचंद ने बताया कि कई बार ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों को जलभराव की समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, हरपाल पुत्र तीरथपाल ने कहा कि गांव में दो-तीन सरकारी हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे स्वच्छ पेयजल की भारी किल्लत हो रही है। गांव में सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई है। सुलभ शौचालयों में पानी की कमी के कारण लोग खुले में शौच करने को मजबूर हैं। नेकस पुत्र मानसिंह ने शिकायत की कि गांव में कोई सफाई कर्मचारी नहीं है, जिससे कचरा सड़कों पर इकट्ठा हो रहा है। उदयवीर पुत्र भूकन ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाया कि गांव के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि जलभराव, गंदगी और खराब हैंडपंप की समस्याओं का समाधान हो सके। फिलहाल, जैतपुर गांव के निवासी कीचड़, गंदगी और बीमारियों की मार झेलने को मजबूर है। ग्रामीण में प्रशासन से मांग की है कि सड़कों का जलभराव दूर करने के लिए नालियों का निर्माण कराया जाए। खराब हैंडपंपों की मरम्मत और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाए। नियमित सफाई और सफाई कर्मचारी की तैनाती हो। सुलभ शौचालयों में पानी की आपूर्ति सुचारु रूप से की जाए। जब इस मामले में जानकारी करने के डीपीआरओ को दो बार फोन किया गया तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदर्शित होंगे जनपद सम्भल के कृषि उत्पाद

एक ही छत के नीचे एकत्रित होंगे वैश्विक खरीदार, उद्योग विशेषज्ञ, नीति निमार्ता और व्यावसायिक पेशेवर

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक किया जा रहा है। इस इंटरनेशनल ट्रेड शो में जनपद सम्भल के कृषि उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात विभाग की ओर से कृषि आधारित निर्यात योग्य उत्पादों की प्रदर्शनी लगेगी। इस प्रदर्शनी में विभाग की ओर से पूरे प्रदेश से सात निर्यातकों को अपनी स्टॉल लगाने का स्थान मिला है। जिसमें जनपद संभल की निर्यातक फर्म दौलत राइस की ओर से जनपद के चावल का प्रदर्शन किया जाएगा। सम्भल का चावल अब राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है तथा सरकार निर्यातकों को प्रोत्साहन देकर किसानों को लाभ दिलाने का प्रयास कर रही है। अपने पिछले संस्करणों की अपार सफलता के साथ, यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 और भी बड़ा होने वाला है, जिसमें हजारों प्रदर्शक, वैश्विक खरीदार, उद्योग विशेषज्ञ, नीति निमार्ता और व्यावसायिक पेशेवर एक ही छत के नीचे एकत्रित होंगे। अत्याधुनिक नवाचारों से लेकर पारंपरिक शिल्पकला तक, उभरते स्टार्टअप से लेकर स्थापित उद्यमों तक, यह व्यापार मेला असीम अवसरों का प्रवेश द्वार है, जो उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक व्यापार केंद्र बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाला यह व्यापार मेला आर्थिक विकास और औद्योगिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है। मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप, यह आयोजन विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, हस्तशिल्प, कृषि आदि सहित विविध उद्योगों में निवेश, व्यापार सहयोग और क्षेत्रीय प्रगति को बढ़ावा देता है। इसमें खरीदारों को तीन प्रमुख वर्गों में वर्गीकृत किया गया है।

खबर का असर:- कीचड़ और गंदगी से ग्रामीणों को मिली निजात

कीचड़ और गंदगी में निकलने को मजबूर स्कूल के बच्चे संबंधित अधिकारी बेखबर

जलभराव और गंदगी की समस्या से बच्चों में बीमारी का खतरा बढ़ा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जलपद के थाना बहजोई क्षेत्र के गांव चिंतनपुर में कंपोजिट विद्यालय के आसपास फैली गंदगी और जलभराव की समस्या ने बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल दिया है। स्कूल के नजदीक हमेशा जलभराव की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण स्कूल जाने वाले बच्चों को मोटे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इस गंदगी के चलते बच्चों में बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है। कोई भी सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कार्य नहीं करता, जिसके कारण गलियों और स्कूल के आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ग्रामीण प्रधान से कई बार गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बताया कि जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बच्चों में डेंगू और अन्य बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने इस स्थिति पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि जलभराव और गंदगी के कारण न केवल बच्चों को संक्रमण का खतरा है, बल्कि उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। बच्चे घर पानी से होकर स्कूल आते हैं, और वे असहज महसूस करते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। ग्रामीणों ने तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिम्मेदार अधिकारियों और ग्राम प्रधान की उदासीनता से ग्रामीणों में गुस्सा बढ़ रहा है। यह है कि स्कूल के आसपास जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए और सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को इस गंभीर समस्या से निजात मिल सके।

बहजोई/संभल (सब का सपना):- "कीचड़ और गंदगी में निकलने को मजबूर स्कूल के बच्चे संबंधित अधिकारी बेखबर" शीर्षक के साथ बहजोई क्षेत्र के गांव चिंतनपुर के समाचार को 17 सितंबर को सब का सपना समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया था जिसका असर गांव में देखने के लिए मिला। वही ग्रामीणों ने सब का सपना समाचार पत्र व टीम का आभार व्यक्त किया। ज्ञात रहे कि बीते 17 सितंबर को सब का सपना समाचार पत्र की टीम के द्वारा गांव चिंतनपुर में ग्राउंड पर जाकर ग्रामीणों की समस्या को उजागर किया गया था। जिसमें ग्रामीणों के द्वारा बताया गया था कि लगातार पिछले काफी समय से यहां पर साफ सफाई नहीं हो रही है और उन्होंने बताया था कि स्कूली छात्र भी इस गंदगी भरे रास्ते से निकलने के लिए मजबूर हैं। जिस पर सब का सपना समाचार पत्र की टीम के द्वारा कंपोजिट विद्यालय के आसपास कीचड़ और गंदगी को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था। अखबार में समाचार प्रकाशित होने के बाद संबंधित द्वारा कार्यवाही करते हुए गांव में साफ सफाई अभियान चलाया गया और वहां से कीचड़ व गंदगी को साफ कराया गया। वही सब का सपना समाचार पत्र की टीम को ग्रामीणों ने बताया की खबर प्रकाशित होने के बाद ग्राम प्रधान ने तुरंत कार्यवाही करते हुए विद्यालय के आसपास साफ सफाई करवा दी है। ग्रामीणों ने सब का सपना समाचार पत्र की टीम का फोन पर धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा की हमारे क्षेत्र को आपके जैसे ही जागरुक पत्रकारों की आवश्यकता है जो ग्रामीण स्तर की समस्याओं को उजागर करें।

महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए आज से चलाया जाएगा विशेष अभियान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ स्थित लोक भवन में शारदीय नवरात्रि 2025 के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत आज से 21 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण संभल जिले के कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में देखा गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व चंदौसी विधानसभा की विधायक गुलाब देवी, जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, जिले के जनप्रतिनिधियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। मिशन शक्ति फेज-5.0 का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूकता व सहायता प्रदान करना है। इस अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण और सहायता योजनाएं संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।
यह अभियान न केवल महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देगा, बल्कि समाज में उनकी स्थिति को और मजबूत करने में भी मदद करेगा।

पुलिस ने यातायात नियमों का पालन कराने के लिए चलाया चेकिंग अभियान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के कस्बा बहजोई स्थित इस्लामनगर चौराहे पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया। इस अभियान के तहत ई-रिक्शाओं को सीज कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के कुशल निर्देशन में आयोजित इस कार्रवाई में यातायात क्षेत्राधिकारी व यातायात उपनिरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान के दौरान दुपहिया वाहन चालकों को दो सवारी से अधिक न बैठाने और हेलमेट लगाने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। यह अभियान यातायात नियमों के उल्लंघन को रोकने और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाया गया है। चालकों को चेतावनी दी गई कि नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की है, जो सड़क हादसों को कम करने में सहायक सिद्ध होगी। पुलिस ने अपील की है कि सभी वाहन चालक हेलमेट, सीट बेल्ट और अन्य सुरक्षा उपायों का पालन करें ताकि सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट के पदाधिकारीयो ने की बैठक

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट चन्दौसी की एक बैठक सीता रोड मूछों वाले शिव मंदिर के सामने स्थित के बी रॉयल सोशायटी के हाल में सम्पन्न हुई। सभा की अध्यक्षता सुरेश चंद्र शर्मा ने तथा संचालन कवि माधव मिश्रा ने किया। बैठक में पिछली सभा की कार्यवाही की पुष्टि के उपरांत अश्वनी शर्मा द्वारा आज का एजेंडा पस्तुत किया गया साथ ही धर्मशाला निर्माण हेतु अभी तक किये गए धन संग्रह का ब्यौरा दिया गया । राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण बन्धुओं द्वारा संजोयी गयी इस भूमि को एक भव्य श्री परशुराम धर्मशाला के रूप में लाने की जिम्मेदारी अब वर्तमान युवा ब्राह्मण शक्ति की है और आशा है के हम सब मिलकर इसे साकार रूप देने में सफल रहेंगे।अभिनव शर्मा एवं आदित्यकान्त द्वारा प्रस्तावित धर्मशाला का नक्शा व फ्रंट एलीवशन प्रतिरूप सभा मे दिखाया जिसे सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।सभा मे बोलते हुए विनोद शर्मा ने कहा कि इस धर्मशाला के निर्माण को पूर्ण कराने में सभी विप्रजनों का सहयोग आवश्यक है।कवि माधव मिश्रा ने कहा कि अपने विचारों को मूर्त रूप देने के लिए सभी साथी कर्म और सार्थक सहयोग देना सुनिश्चित करें।संजीव शर्मा ने कहा कि ट्रस्ट के सभी सदस्य अपने समाज के अन्य लोगों को भी आर्थिक सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित करें जिससे पर्याप्त धन व निर्माण सामग्री एकत्र हो सके। सुरेश चंद्र शर्मा ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि उनका समूर्ण सहयोग धर्मशाला ट्रस्ट को मिलेगा।सतीश शर्मा ने भी अपना अधिकतम सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। सभा के अंत ट्रस्ट के संरक्षक हरद्वारी लाल मिश्रा की पत्नी तथा दिनेश शर्मा की चाची के स्वर्गवासी हो जाने के कारण सभी के द्वारा मौन श्रद्धांजलि दी गयी। सभा समाप्ति पर सभी सदस्य धर्मशाला निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण करने भी पहुंचे।साथ ही तय किया गया कि ट्रस्ट की अगली बैठक धर्मशाला निर्माण की भूमि पर ही कराई जाएगी। सभा मे उपरोक्त वक्ताओं के अतिरिक्त ट्रस्ट के अध्यक्ष अभिनव शर्मा, महामंत्री आदित्यकान्त शर्मा, जय शंकर दुबे, अभय कुमार शर्मा, राजू बनर्जी, राजीव पाठक, संजीव शर्मा, मुनीश शर्मा, पंकज शर्मा, निशांत शर्मा, शिवराम वत्स, ओम जहरम, राजेश शंखधार, मनोज शर्मा, बृजेश शर्मा, राहुल शर्मा, विनीत शर्मा, रमाकांत शर्मा, सुधीर मिश्रा, शुभम शर्मा, निशांत शर्मा, उमाकांत शर्मा, राधेश्याम मिश्रा, अनुराग शर्मा, गौरवकान्त शर्मा, सुधांशु शर्मा, अमित पाठक, आदि अनेक विप्र बन्धु उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 26 मामलों का निस्तारण, 10 परिवारों का पुनर्मिलन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक के.के. बिश्नोई के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति, बहजोई में संपन्न हुई। इस बैठक की देखरेख सेल प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का प्रयास किया गया। कुल 128 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिनमें से 26 मामलों का निस्तारण किया गया। 10 परिवारों को आपसी समझौते के माध्यम से पुनर्मिलन कराया गया। इसके अलावा, 8 मामलों में विधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई, जबकि 8 अन्य पत्रावलियां न्यायालय में विचाराधीन होने या आवेदक द्वारा सहयोग न करने के कारण बंद करने की सिफारिश की गई। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के इस प्रयास से न केवल पारिवारिक विवादों का समाधान हो रहा है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट पूनम अरोरा, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, सीमा आर्य, कंचन माहेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत, ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हत्या के मामले का 6 घंटे में खुलासा, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अभियुक्त की निशानदेही पर मृतक का शव बरामद

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम गुमसानी निवासी मोनू (22) के गुमशुदगी के मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब उसके भाई तुषार सिंह ने हत्या की आशंका जताते हुए स्थानीय थाने पर तहरीर दी। तुषार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अर्पित पुत्र श्याम सिंह, बोबी पुत्र नरेश, और सोभित पुत्र मलखान, सभी ग्राम गुमसानी निवासी, के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, और प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार के नेतृत्व में असमोली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 सितंबर को मुख्य अभियुक्त अर्पित को गिरफ्तार किया। कड़ाई से पूछताछ के दौरान अर्पित ने मोनू के शव को खाबरी भोला रोड पर एक बंद भट्टे की चिमनी के अंदर मिट्टी में दबाने की बात कबूल की। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया और मात्र 6 घंटे में इस हत्याकांड का पदार्फाश किया। पुलिस ने इसके बाद शेष दो अभियुक्तों, बोबी और सोभित, को टांडा कोठी चौराहे से गिरफ्तार किया। तीनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए असमोली पुलिस टीम की सराहना की और कहा कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है, और पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

रामलीला कमेटी द्वारा पुराना बाजार, बहजोई में रामलीला का शुभारंभ

संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा बहजोई में श्री रामलीला कमेटी पुराना बाजार द्वारा आयोजित रामलीला का शुभारंभ शनिवार को धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी (एसडीएम) चंदौसी आशुतोष तिवारी, थाना बहजोई प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू और उद्योगपति-सामाजिक कार्यकर्ता विकास वार्ष्णेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश पूजन और पूजा-अर्चना के साथ हुई। उद्घाटन के पश्चात सभी अतिथियों और रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम की आरती की, जिसके बाद रामलीला मंचन की शुरूआत हुई। पहले दिन के मंचन में नारद मोह के प्रसंग का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर कपिल मोबाइल, राम भगत, मनोज कपिल गुप्ता, शिवम टंडन, आशीष बजाज, मोहित, विपिन, जयप्रकाश सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विजेंद्र राणा और उनकी टीम ने मंचन में सक्रिय भागीदारी निभाकर आयोजन को और भी आकर्षक बनाया। रामलीला का यह आयोजन स्थानीय जनता में भक्ति और उत्साह का संचार कर रहा है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम कस्बा बहजोई में लोगों के बीच एकता और धार्मिक भावना को और मजबूत करने का कार्य करेगा। आयोजन के दौरान उपस्थित दर्शकों ने रामलीला के मंचन की सराहना की और इसे सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बताया। रामलीला कमेटी ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, कलाकारों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

साइबर हमलों के बाद यूरोप जाने वाली उड़ानों में व्यवधान की चेतावनी, एडवाइजरी जारी

साइबर हमले के बाद प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रभावित हुए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट एडवाइजरी में यात्रियों से अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों से संपर्क करने को कहा गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता पर साइबर हमले के बाद प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रभावित हुए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट एडवाइजरी में यात्रियों से अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों से संपर्क करने को कहा गया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि लंदन, हीथ्रो सहित यूरोपीय हवाई अड्डों पर साइबर हमलों के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे से आने-जाने वाली यूरोप जाने वाली उड़ानों में कुछ व्यवधान आ सकते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे उड़ान संबंधी नवीनतम अपडेट के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करें। एयर इंडिया ने भी शनिवार को साइबर हमले के कारण एक यात्रा एडवाइजरी जारी की। एयर इंडिया ने लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर तृतीय-पक्ष यात्री प्रणाली में व्यवधान के संबंध में एक बयान जारी किया है, जिसमें यात्रियों को चेक-इन प्रक्रिया में संभावित देरी की चेतावनी दी गई है। एयरलाइन के ट्वीट के अनुसार, लंदन में ग्राउंड टीमें असुविधा को कम करने के लिए काम कर रही हैं। एक्स पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में, एयर इंडिया ने कहा कि हीथ्रो में थर्ड-पार्टी पैसेंजर सिस्टम में व्यवधान के कारण चेक-इन प्रक्रिया में देरी हो सकती है। लंदन में हमारी ग्राउंड टीमें असुविधा को कम करने के लिए काम कर रही हैं। आज लंदन से हमारे साथ उड़ान भरने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर पहुँचने से पहले अपना वेब चेक-इन पूरा कर लें ताकि एक सुचारू अनुभव सुनिश्चित हो सके। यह सलाह ऐसे समय में जारी की गई है जब ब्रसेल्स, लंदन हीथ्रो और बर्लिन सहित प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम के लिए जिम्मेदार एक ही सेवा प्रदाता पर साइबर हमले के बाद उड़ानों में देरी और रद्दीकरण का सामना करना पड़ रहा है। ब्रसेल्स हवाई अड्डे ने पुष्टि की है कि शुक्रवार देर रात हुए हमले के कारण स्वचालित सिस्टम ऑफलाइन हो गए थे, जिससे केवल मैन्युअल चेक-इन और बोर्डिंग ही संभव हो पाई। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार, 19 सितंबर की रात चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम के सेवा प्रदाता पर एक साइबर हमला हुआ, जिससे ब्रसेल्स हवाई अड्डे सहित कई यूरोपीय हवाई अड्डे प्रभावित हुए। इसमें आगे कहा गया है कि प्रदाता इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसने यात्रियों से हवाई अड्डे पर जाने से पहले एयरलाइनों से उड़ान की स्थिति की जांच करने का आग्रह किया, और शेंगेन उड़ानों के लिए दो घंटे पहले और अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान के लिए तीन घंटे पहले आगमन की सलाह दी। लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि कई एयरलाइनों को चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रदान करने वाली वैश्विक कंपनी कॉलिन्स एयरोस्पेस, इस व्यवधान से जुड़ी एक तकनीकी समस्या का सामना कर रही है।

गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर सिंगापुर से दिल्ली लाया गया: अधिकारी

नई दिल्ली। लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग का पार्थिव शरीर शनिवार मध्यरात्रि को सिंगापुर से यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जुबिन की शुक्रवार को सिंगापुर में बिना जीवनरक्षक जैकेट के समुद्र में तैरते समय मौत हो गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हवाई अड्डे पर गायक का पार्थिव शरीर प्राप्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा और राष्ट्रीय राजधानी में तैनात असम सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। जुबिन का पार्थिव शरीर एअर इंडिया की उड़ान से सिंगापुर से दिल्ली लाया गया और मार्गेरिटा के साथ एक विशेष विमान से गुवाहाटी ले जाया जाएगा। जुबिन का पार्थिव शरीर रविवार सुबह गुवाहाटी पहुंचने और फिर उनके आवास पर ले जाए जाने की उम्मीद है।

दिल्ली पुलिस ने ड्रग सिंडिकेट का किया भंडाफोड़, चार करोड़ की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने चार करोड़ की स्मैक के साथ एक अंतरराज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट के दो कुख्यात सदस्य को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच ने पहले एक तस्कर को आनंद विहार बस अड्डा से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.76 किलोग्राम स्मैक ड्रग्स बरामद की। उससे पूछताछ के आधार पर क्राइम ब्रांच ने बरेली में स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सिंडिकेट के एक अन्य सदस्य के घर पर भी छापेमारी की। घर की तलाशी लेने पर 10.30 लाख नकद, 435 ग्राम सोना व 550 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए। डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम अमन खान व उवैसखान है। दोनों यूपी के बरेली के रहने वाले हैं। एसीपी रमेश लांबा व इंस्पेक्टर सतेंद्र खारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पहले 15 सितंबर को बरेली के रहने वाले अमन खान को आनंद विहार बस अड्डा से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 214.5 ग्राम स्मैक बरामद की गई। अपराध शाखा में इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। पूछताछ में अमन ने बताया कि उसे उवैस खान नाम के तस्कर ने दिल्ली में एक तस्कर को उक्त ड्रग्स की खेप पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने 18 सितंबर को बरेली में एक संयुक्त छापेमारी कर उवैस खान को उसके गुगई गांव स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। उवैस खान के घर की तलाशी लेने पर 10.30 लाख नकद, 435 ग्राम सोना व 550 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए। उवैस खान पहले 2022 में उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित श्यामपुर थाने में एक एनडीपीएस मामले में शामिल था। सिंडिकेट के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

त्योहारों से पहले सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस अलर्ट, अभियान चलाकर लोगों को किया सतर्क

नई दिल्ली। राजधानी में त्योहारों से पहले सुरक्षा और सतर्कता को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने शनिवार को सभी 15 जिलों में पुलिस की "आंख और कान" योजना के अंतर्गत व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। पुलिस मुख्यालय की जनसंपर्क शाखा ने जिला पुलिस के साथ मिलकर यह अभियान आयोजित किया, जिससे नागरिक सुरक्षा व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित होने के साथ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए जागरूक हुए। अभियान के लिए प्रमुख बाजारों और शॉपिंग प्लाजा को चुना गया, जहां त्योहारों के मौसम में भारी भीड़ रहती है। इस दौरान खरीदारों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए और एमडब्ल्यूए के सदस्य भी शामिल रहे। इस दौरान आयोजन स्थल पर सुबह से ही भारी भीड़ इकट्ठा होनी शुरू हो गई और उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। आयोजन स्थल पर बड़ी स्क्रीन पर शार्ट फिल्मों का प्रदर्शन हुआ, सूचनात्मक सामग्री का वितरण हुआ और कार्यस्थलों पर शैक्षिक पोस्टर व स्टैंडीज लगाए गए। वहीं, दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क वाहन के जरिए भी सुरक्षा संदेश प्रसारित किए गए। क्षेत्रीय अधिकारियों ने सभाओं को संबोधित करते हुए सतर्कता के महत्व पर जोर दिया और नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। इस दौरान लोगों ने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली को बारीकी से परखा। इस तरह के आयोजन से नागरिकों और पुलिस के बीच सहयोग तो मजबूत हुआ ही साथ ही त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया गया। 15 जिलों में इन जगहों पर कार्यक्रम किया गया आयोजित अभियान के अंतर्गत अलग-अलग जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। नई दिल्ली जिले में इसका आयोजन कनॉट प्लेस के सेंट्रल मार्केट में हुआ। दक्षिण-पश्चिम जिले में सरोजिनी नगर का सेंट्रल मार्केट चुना गया, जबकि पश्चिम जिले में यह एमईआरआ कॉलेज, जनकपुरी संस्थागत क्षेत्र में हुआ। द्वारका जिले में अभियान वेगास माल में आयोजित किया गया, वहीं उत्तर जिले में चांदनी चौक के टाउन हाल में नागरिकों को संबोधित किया गया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस ने की पैदल गस्त

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी सम्भल व थाना प्रभारी रायसत्ती के साथ पुलिस बल द्वारा कस्बा सम्भल में कानून व्यवस्था व आगामी त्योहारों की तैयारियों के दृष्टिगत पैदल गस्त की गई। गस्त के दौरान शंकर चौराहा, एजेटी तिराहा, आर्य समाज रोड, छगामल तिराहा,खग़ू सराय, बल्ले की पुलिया, रायसत्ती सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल ने भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्योहारों के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए इस तरह की गस्त नियमित रूप से जारी रहेगी ताकि जनपद में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की।

संशोधित जीएसटी दरें: उपभोक्ताओं को राहत, अमरोहा में जिलाधिकारी ने दिए प्रचार के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- सरकार द्वारा संशोधित जीएसटी दरें 22 सितंबर 2025 से लागू की जा रही हैं। जिसका लाभ उपभोक्ता को मिलेगा और बहुत से वस्तु में पहले से सस्ती हो जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी निधि गुप्ता द्वारा जीएसटी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से जीएसटी की दरों में कमी की गई। कमी का व्यापक प्रचार प्रसार करें। जीएसटी अधिकारी मार्केट में फील्ड विजिट करते हुए जीएसटी की दरों में की गई, कमियों से हो रहे फायदे के बारे में व्यापारियों और उपभोक्ताओं को अवगत कराया जाए। और यह भी ध्यान रखें कि दुकानदार में दरों के अनुसार वस्तुओं की बिक्री करें। जिससे लोगों को वस्तुएं पहले से सस्ती मिल सके। उन्होंने कहा है कि इन बदलावों का व्यापक प्रचार प्रसार करें ताकि आम जनता को इसका पूरा लाभ मिल सके। इस दौरान राजेश कुमार मौर्य उपयुक्त राज्य कर द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा यह भी निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करें। तथा जीएसटी में कर की दर कम किए जाने से बरती जाने वाली सावधानियां व रिटर्न दाखिल कर अपनी बात रखें। तथा व्यापारियों की भी बात सुनकर उनकी विधि समाधान से अवगत कराया जाए। मौर्य द्वारा बताया गया कि पूर्व में वस्तुओं की बिक्री कर चार प्रकार की करें। कम से 5, 12, 18, 26 लागू की गई। जिसे सरकार द्वारा संशोधित करते हुए 5, 18 कर दी गई है। और दैनिक उपभोक्ताओं वाली कई वस्तुओं जीवन और स्वास्थ्य बीमा को कर मुक्त कर दिया गया है। वही वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक, गुड्स,सीमेंट आदि वस्तुओं पर दरें 28 से 18% कर दी गई हैं।

रवीश कुमार ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा, अदानी ग्रुप के खिलाफ कंटेंट हटाने के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार ने अदानी ग्रुप से जुड़े वीडियो को हटाने के केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कहा है कि पत्रकारों के खिलाफ अदानी के मानहानि के मुकदमे और सरकारी आदेश का उद्देश्य पत्रकारों को चुप कराना है। यह मामला सोमवार को सचिन दत्ता के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। उल्लेखनीय है कि 16 सितंबर को जारी एक लेटर में, केंद्र सरकार ने रवीश कुमार, अन्य यूट्यूबर्स और समाचार प्लेटफार्मों को अदानी के खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने के लिए 6 सितंबर के निचली अदालत के आदेश के अनुपालन में "उचित कार्रवाई" करने का आदेश दिया था। अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की ओर से दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में दायर मानहानि के मुकदमे में कई पत्रकारों को कंपनी के खिलाफ अपमानजनक खबरें प्रकाशित करने से रोकने की मांग की गई थी। बता दें कि 6 सितंबर के आदेश में, निचली अदालत ने नामित पत्रकारों के साथ-साथ अनाम प्रतिवादियों को भी अदानी के बारे में 'अपमानजनक' सामग्री प्रकाशित करने से रोक दिया था। वहीं, 18 सितंबर को एक अपीलीय अदालत ने चार पत्रकारों के संबंध में आदेश को आंशिक रूप से रद कर दिया।

पितृ अमावस्या पर बृजघाट नेशनल हाईवे 9 पर कई किलोमीटर तक लगा लंबा जाम

नेशनल हाईवे पर रेंगते रहे वाहन, जाम खुलवाने में पुलिस के छूटे पसीने

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे 9 पर ब्रजघाट गंगा धाम के पुल पर कई किलोमीटर तक लंबा जाम कई घंटों तक लग रहा, इस दौरान जाम में फंसे वाहन कई घंटो तक रींगते दिखाई दिए, वहीं हाईवे पर चलने वाले रोजमर्रा के वाहनों के साथ साथ पितृ अमावस्या पर स्नान के आने जाने वाले श्रद्धालु भी घंटों तक जाम से जूझते रहे, जिससे हाईवे पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार भीषण जाम से थमती दिखाई दी बता दें कि अमरोहा जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र के दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे-9 पर पितृ अमावस्या के अवसर पर ब्रजघाट गंगा धाम में स्नान करने पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं के कारण दिल्ली-लखनऊ राजमार्ग पर भीषण जाम लग गया। सुबह तड़के से ही हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगनी हो गई। श्रद्धालुओं की भीड़ और वाहन चालकों की जल्दबाजी ने ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह से चरमराकर रख दिया। जाम के चलते यात्रियों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस-प्रशासन ने पहले से ही व्यवस्था की थी, लेकिन कई वाहन चालकों ने गलत लेन पकड़कर हालात और बिगाड़ दिए। वहीं मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जाम को खुलवाने में कड़ी मशक्कत की जिसको खुलवाने में पुलिस प्रशासन के भी पसीने छूट गए, वहीं लोग अपने वाहनों को निकालने के लिए तरह-तरह के जतन करते नजर आ रहे थे।

दिल्ली सरकार की नई पेंशन स्कीम पर 'आप' का तंज-न नोटिफिकेशन न लाभ से बुजुर्ग परेशान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मतिथि पर दिल्ली सरकार की ओर से घोषित की गई बुजुर्गों को नई पेंशन देने की योजना को लागू करने को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से विरोध जताया जा रहा है। घोषणा के सप्ताह भर बाद भी समाज कल्याण विभाग की ओर से कोई नोटिफिकेशन जारी न होने पर यह तंज किया गया। चौथी बार बुराड़ी विधानसभा सीट से चुने गए आप विधायक संजीव झा ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा वर्मा पर करारा हमला किया है। विधायक संजीव झा ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'दिल्ली सरकार की घोषणाएँ सिर्फ.अखबारों और पोस्टरों में सिमट कर रह गई है। प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन पर दिल्ली सरकार ने खूब प्रचार किया कि 50,000+ बुजुर्गों को नई पेंशन दी जाएगी। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक समाज कल्याण विभाग ने कोई नोटिफिकेशन तक जारी नहीं किया। बुजुर्ग लगातार विधायकों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं।' उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'इससे पहले भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की थी कि 4.60 लाख बुजुर्गों और 1.35 लाख दिव्यांगजनों की पेंशन में 500 रुपये की बढ़ोतरी होगी और उन्हें 3000 रुपये पेंशन मिलेगी लेकिन आज तक किसी की पेंशन बढ़कर नहीं आई। क्या दिल्ली की जनता सिर्फ.खोखली घोषणाएं सुनने के लिए रह गई है?'बता दें कि दिल्ली सरकार बुजुर्गों के लिए नई पेंशन योजना शुरू करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 50000 नई पेंशन शुरू होंगी जिसका शुभारम्भ गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को सहारा मिलेगा जिसके लिए ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है। सरकार ने इसके लिए 149 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत महिला पुलिस स्कूटी रैली का किया गया आयोजन

महिला पुलिस दुपहिया वाहन को अपर पुलिस अधीक्षक ने हरि झंडी दिखाकर किया रवाना

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद सम्भल में आज एक भव्य महिला पुलिस स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को चौकी चौधरी सराय, कस्बा सम्भल से अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा ने किया, जिसमें जनपद की महिला पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में आयोजित इस रैली का उद्देश्य मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था। रैली के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों (1090, 112, 181, 1076, 1098), साइबर अपराध से बचाव के तरीकों, आत्मरक्षा तकनीकों और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा, मिशन शक्ति फेज-5.0 का लक्ष्य न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज में जागरूकता फैलाना भी है। यह स्कूटी रैली महिला पुलिसकर्मियों की शक्ति और साहस का प्रतीक है, जो समाज को यह संदेश देती है कि महिलाएँ हर क्षेत्र में सक्षम हैं। रैली के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया। सम्भल पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत आगे भी कई कदम उठाने की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत एंटी-रोमियो दस्तों का गठन कर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जाएगी। साथ ही, स्कूलों, कॉलेजों, गाँवों में चौपालों और रामलीला स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ पुरुषों को भी महिला संबंधी अपराधों के प्रति पुलिस की सख्त नीति से अवगत कराया जाएगा। अनुकृति शर्मा ने जोर देकर कहा कि महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल पुलिस की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक पुरुष की भी है। उन्होंने पुरुषों से महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में सहयोग करने की अपील की। यह रैली न केवल मिशन शक्ति के उद्देश्यों को जनता तक पहुँचाने में सफल रही, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिल्ली की बवाना जेजे कॉलोनी में युवक की चाकू गोदकर हत्या, पुरानी रंजिश का शक, अधर में तीन बच्चों का जीवन

बाहरी दिल्ली। राजधानी के बवाना जेजे कॉलोनी में रविवार को एक युवक की चाकू गोंदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुरूआती जांच में बताया है कि मृतक का नाम राजा था। उसके तीन बच्चे हैं। वह घर में अकेला कमाने वाला था। वारदात की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला को हत्या रंजिश के कारण की गई है। विस्तृत जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की खिलाड़ी माहिका ने नेशनल में जीता सिल्वर मेडल

करनाल/सूरज रोहिल्ला। एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया की खिलाड़ी माहिका ने 16 से 18 सितंबर 2025 को जलगांव महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल कर पूरे भारत देश में हरियाणा का नाम रोशन किया। इसी खुशी में एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंटरनेशनल सतीश कुमार राणा द्वारा बेटी खिलाड़ी माहिका को अकैडमी के प्रांगण में पहुंचने पर लड्डू खिलाकर व फूल मालाओं, ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर अकादमी के सभी खिलाड़ी व अभिभावक गण मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष इंटरनेशनल मास्टर सतीश कुमार राणा ने बताया की खिलाड़ियों को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य खेल नीतियों को बढ़ाना है। एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा राज्य व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता है जिससे कि खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और भी खिलाड़ी प्रेरित होकर खेलों में भाग लेते हैं जिससे कि खिलाड़ी बढ़-चढ़कर खेलों में हिस्सा लेकर अपने देश के लिए मेडल लेकर आते हैं और अपने भारत देश का नाम रोशन करते हैं। सतीश कुमार का कहना है कि खेलों में भाग लेने से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है इसलिए सभी ने अपने बच्चों को बढ़-चढ़ कर खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज

-केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह करेंगे अध्यक्षता

रेवाड़ी। सोमवार 22, सितंबर को लघु सचिवालय सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक दोपहर बाद 3 बजे आयोजित होगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंहे बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में जिले में चल रहे विकास कार्यों तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। डीसी ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट सहित बैठक में समय पर पहुंचने के निर्देश दिए।

आईटीआई में रोजगार सहायता शिविर व प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

नारनौल। जिला रोजगार कार्यालय की ओर से 22 सितंबर को सुबह 10 बजे राजकीय आईटीआई (ब्वाय) नारनौल में रोजगार सहायता शिविर व प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पर्व के तहत युवा अधिकारिकता एवं उद्यमिता विभाग के निदेर्शानुसार इस कार्यक्रम में रोजगार विभाग की विभिन्न योजना जैसे सक्षम युवा योजना, सामान्य बेरोजगारी भत्ता योजना बारे पंजीकरण व मार्गदर्शन दिया जाएगा तथा युवाओं की करियर काउंसलिंग की जाएगी। इसमें इच्छुक प्रार्थी सरकारी क्षेत्र व प्राइवेट जॉब से संबंधित जानकारी प्राप्त करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस शिविर में स्वरोजगार करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा उचित मार्गदर्शन व ऋण संबंधित जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के कौशल प्रशिक्षण संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। इसमें प्रार्थी विभिन्न उद्योगों में आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस सेवा पर्व में कोई भी प्रार्थी आजीविका रोजगार के विभिन्न विकल्प एक ही स्थान पर निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

भागवत कथा के पश्चात किया विशाल भंडारे का आयोजन

हजारों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

हथीन/रोबिन माथुर : रविवार को स्थानीय साहब जी मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि 14 सितंबर से 20 सितंबर तक गोयल परिवार द्वारा साहब जी मंदिर परिसर में संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कराया था। श्रीमद्भागवत कथा के समापन के पश्चात रविवार को कथा आयोजकों द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया। जिसमें हजारों लोगों ने बैठकर खीर, पूड़ी व सब्जी का प्रसाद भरपेट ग्रहण किया। इस अवसर पर गोयल परिवार के रविन्द्र स्वरूप उर्फ राजू गोयल, पदम स्वरूप गोयल, डिंपल गोयल, विजय सिंगला, मनोज सिंगला, नीरज सिंगला आदि ने पांडाल में आए हुए सभी लोगों को प्रसाद वितरण करने में विशेष योगदान दिया।

सड़कों की बदहाली को लेकर अनिश्चितकालीन धरना

पटौदी। अध्यक्ष सड़क सुधार संगठन एवं प्रदेश प्रवक्ता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सुखबीर जे तंवर के नेतृत्व में डाबोधा मोड़ से अनाज मंडी फरुखनगर एवं क्षेत्र की अन्य संकरी, जर्जर एवं जानलेवा सड़कों की बदहाली के विरोध से डाबोधा मोड़, फरुखनगर अनिश्चितकालीन धरना निरंतर जारी है। सरकार और शासन को नियमित प्रतिवेदन, शिकायतों, धरना एवं प्रदर्शन के पश्चात सड़क समस्या से अंजान बनी हुई है। विगत चार वर्षो से नगरपालिका फरुखनगर अपनी जिम्मेदारी निर्वहन में निरंतर विफल साबित हो रही है। 20 सितम्बर को स्थानीय विधायक और मंत्री दुवारा धरना स्थल पर रुककर कोई आश्वासन नही दिये जाने से क्षेत्र में रोष व्याप्त है। धरने में दैनिक रेल यात्री संघ के संस्थापक भीम सिंह सारवान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकेश डागर, सुबे सिंह यादव एडवोकेट, मुकेश पवन चौधरी, भोले गुज्जर, महाबीर प्रधान, लवकेश कटारिया, अशोक कुमार, गजेपाल खेड़ा, जितेंद्र शर्मा मुशेदपुर, जोगेंद्र, सुरेंदर डाबोधा, संदीप खेड़ा, मनोज खेड़ा, पूर्व सरपंच रामनिवास खेड़ा, पूर्व सरपंच सत्यप्रकाश फरीदपुर, रमेश फरीदपुर, पूर्व सरपंच गोरधन माजरी, पूर्व सरपंच राजबीर माजरी, वीरेंद्र सिंह गढ़ी, अशोक कुमार माजरी, हरी यादव, इंद्र गढ़ी, जगदेव यादव, बिशम्बर दयाल थानेदार, धर्मबीर आलमदी, रामेश्वर मुशेदपुर, महाबीर यादव खर्रमपुर, अनिल फरीदपुर, जय प्रकाश तिरपड़ी, मास्टर नरेश खेड़ा, विक्रम गढ़ी, प्रेम कुमार, अत्तर सिंह फौजी, धर्मेंद्र धर्मी खेड़ा, भंवर बोहरा मुशेदपुर, सोनू शर्मा सिवाड़ी, राहुल सिवाड़ी, विकास, भूपेंद्र सिवाड़ी, नवीन सिवाड़ी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी : लक्ष्मण सिंह यादव

रेवाड़ी, म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम के तहत रेवाड़ी जिला में प्रशासन सहित जनप्रतिनिधि व आमजन पूरी सजगता से स्वच्छता का सन्देश जन जन तक पहुंचाने में अपना अतुलनीय योगदान दे रहे हैं। डीसी अभिषेक मीणा बेहतर प्रशासनिक प्रबन्धन के साथ स्वच्छता की मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं वहीं रेवाड़ी से विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में इंदौर की तर्ज पर रेवाड़ी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की मुहीम में लोग जुटे हैं। शनिवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में शहर के गढ़ी बोलनी रोड़ पर महा मेगा सफाई अभियान चलाया गया। तहसील परिसर से अमगनी सोसायटी तक करीब साढे चार किलोमीटर लंबे सडक मार्ग की सफाई करने के लिए अलग-अलग चार टीमों का गठन किया गया। डीएमसी ब्रह्मप्रकाश भी इस यज्ञ में आहुति डालते हुए विधायक लक्ष्मण यादव के साथ कदमताल करते हुए स्वच्छता मुहीम में भागीदार बने। गढ़ी बोलनी रोड़ तहसील कार्यालय के समीप से प्रारंभ हुए इस अभियान की अगुवाई विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने की। सडक के दोनों ओर अलग-अलग हिस्सों में बंटी चार टीमों ने अपने-अपने क्षेत्र की सफाई की तथा साइड में जमा गंदगी व मिट्टी को साफ किया। अत्याधिक गंदगी व मिट्टी वाले स्थान को जेसीबी की मदद से साफ किया गया। साथ ही सडक की ओर बढ़े हुए पेड़ों की भी छंटाई की गई। इस दौरान हाथों में स्वच्छता का संदेश देते हुए बैनर लिए हुए युवा लोगों को जागरुक करते दिखाई दिए। स्वच्छता मुहीम के तहत चलाए गए इस विशेष सफाई अभियान का समापन अमंगनी सोसायटी पर किया गया। डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने विधायक के कार्यों की जमकर सराहना की। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि आज से पहले इतना लंबा स्वच्छता का अभियान पहले कभी नहीं चला। इस अभियान की विशेष बात यह है कि आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी म्हारा रेवाड़ी-स्वच्छ रेवाड़ी मुहिम के साथ ही आई लव रेवाड़ी टीम के सदस्यों ने पहुंचकर इस अभियान को सफल बनाया है। उन्होंने कहा कि वह इस अभियान की सिल्वर जुबली बना चुके हैं तथा अब इसकी गोल्डन जुबली भी धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि क्षेत्र में हुई अत्याधिक बरसात व बदलते मौसम के कारण लोग बीमारियों से दूर रहे, इसके लिए वे लगातार रेवाड़ीवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते आ रहे हैं। स्वच्छता एक ऐसा कार्य हैं, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी इस अभियान की सराहना कर चुके हैं तथा वह मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने सफाई की इस अलख को पूरे प्रदेश में फैलाने का विशेष कार्य किया है। हम सभी जल्द ही अपने उद्देश्यों में कामयाब होंगे तथा रेवाड़ी स्वच्छ एवं सुंदर बनकर ही रहेगी। इस मौके पर डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने कहा कि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव स्वच्छता को लेकर सराहनीय मुहीम चला रहे हैं। हम सभी साथ मिलकर रेवाड़ी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में तेजी से प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि नगर परिषद की ओर से स्वच्छता को लेकर जारी किए गए हैल्पलाइन नंबर पर मिलने वाली शिकायतों में से 95 फीसदी का समाधान किया जा चुका है।

- **जन जन में जगाई जा रही है स्वच्छता की अलख : लक्ष्मण यादव**
- **सांझे प्रयास से स्वच्छता की ओर आगे बढ़ रहा रेवाड़ी**
- **विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में शहर के गढ़ी बोलनी रोड़ पर महा मेगा सफाई अभियान**

सम्मान दिवस समारोह में रेवाड़ी की होगी बड़ी भूमिका

रेवाड़ी। जननायक चौ देवीलाल का 25 सितम्बर को रोहतक में होने वाले सम्मान दिवस समारोह के लिए इनेलो पार्टी की ओर से कोसली हलके के गांवों कोसली, भाकली, हाँसावास , गामड़ी, नठेड़ा, झाड़ौदा आदि जाकर रैली का निमंत्रण दिया। जहाँ लोगो को रैली का न्योता देते हुए इनेलो जिला प्रधान डॉ राजपाल यादव, कोसली हलका प्रभारी महेन्द्र जाखड़, व रेवाड़ी शहरी प्रधान सुभाष गर्ग ने कहा कि इस बार भी ये रैली अपना रिकार्ड खुद तोड़ने का काम करेंगी। रोहतक में होने वाले सम्मान दिवस समारोह को लेकर हरियाणा सहित पूरे रेवाड़ी जिले में भी उत्साह है और लोगो रैली में जाने के लिए उत्सुक हैं। इनेलो नेताओं ने कहा कि बीजेपी के इस राज से हरियाणा का हर व्यक्ति दुखी हैं । उसकी कोई सुनने वाला नही अब जनता को उम्मीद केवल अभय चौटाला व इनेलो पार्टी से उम्मीद है ।यही कारण है कि रोज के कार्यक्रमो में इनेलो नेताओं द्वारा दूसरे दलों से से आये लोगो को इनेलो पार्टी जॉइन कराई जा रही है। अब जनता को भी समझ आ गया कि जनता की हितकारी अगर कोई पार्टी है तो वो जननायक चौ देवीलाल के पदचिन्हों पर चलने वालों पार्टी इनेलो है जबकि बीजेपी कांग्रेस व जेजेपी तो जनता को बहकाकर अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में व्यस्त रहते हैं आमजन की समस्याओं से उनको कोई सरोकार नही। हलका प्रधान कुलदीप यादव ने बताया कि 25 सितम्बर की रैली के लिए कई दिनों से इनेलो पदाधिकारियो के साथ मिलकर गाँव गाँव निमंत्रण देने का काम किया । अब कोसली हलके के जनता भी बदलाव चाहती है इसलिए हर दिन इनेलो ग्राफ बढ़ रहा है। इस अवसर पर इनेलो प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट रजवन्त डहीनवाल,जिला उपाध्यक्ष भूप सिंह भाकली, युवा हलका प्रधान कृष्ण कुमार बोहका, किसान सेल जिला संयोजक सवाचन्द नम्बरदार, वरिष्ठ नेता धर्मबीर गामड़िया, जिला महासचिव बीरेन्द्र यादव ,युवा जिला उपाध्यक्ष संजय हाँसावास, टिंकू चौहान, संजय चौहान, रवि, प्रमोद, मलखान सिंह, पंकज, रोहित, सहित अन्य इनेलो पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सूक्ष्म पोषक तत्वों और कीट प्रबंधन के अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित

- कपास किसान 30 सितंबर तक करे ऑनलाइन आवेदन

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से कपास की खेती के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की ओर से किसानों को कपास की खेती हेतु सूक्ष्म पोषक तत्व एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके लिए किसानों के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। उन्होंने कहा कि इच्छुक किसान www.agriharyana.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2025 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी को दूर कर उत्पादन एवं गुणवत्ता में सुधार करना तथा कीट प्रबंधन द्वारा फसल को सुरक्षित रखना है। उन्होंने जिले के सभी कपास उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि तक आवेदन करें और योजना का लाभ उठाएं। योजना के बारे में अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए किसान अपने नजदीकी कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

स्वस्थ राष्ट्र समृद्ध राष्ट्र की थीम पर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हथीन : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत पलवल द्वारा हथीन खंड में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन "स्वस्थ राष्ट्र समृद्ध राष्ट्र" की थीम पर टैगोर पब्लिक स्कूल बहीन के खेल परिसर में स्वामी विवेकानंद यूथ क्लब पलवल के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम विभाग से पुष्पेंद्र ठाकुर कार्यक्रम संयोजक रहे। दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी ओमपाल तेवतिया व पुलिस अधिकारी यशवीर मुख्य अतिथि थे। 400 मीटर दौड़ में लखन ने लव, जसवंत ने द्वितीय, सुमित ने तृतीय तथा बालिका वर्ग में हिमांशी ने प्रथम, आद्या ने द्वितीय, यशस्विनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में आलोक ने प्रथम, पंकज ने द्वितीय, दक्ष ने तृतीय व बालिका वर्ग में कनिका, हिमांशी, चंचल ने क्रमशः पहला, दूसरा और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार वॉलीबॉल में ळढर ईँल्ल की टीम ने प्रथम, शहीद मनमोहन सिंह क्लब की टीम ने द्वितीय व HSPA तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं खो-खो में TPS Bahin ने पहला, हरियाणा स्पोर्ट्स फिजिकल अकेडमी ने दूसरा, TPS की टीम ने तीसरा स्थान पाया। कार्यक्रम में मुख्य कोच नरेश रावत संचालक हरियाणा स्पोर्ट्स फिजिकल अकेडमी होडल ने सभी कोच साथियों के साथ मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधिकारी यशवीर ने सभी खिलाड़ियों को नशा मुक्ति की शपथ के बाद सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ इस अवसर पर सुखवीर रावत, महेश कुमार, राजबहादुर रावत, सुखवीर सिंह, मधुबाला, रूपचंद, कुमारपाल, नवनीत, नीतू आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सड़क निर्माण कार्य में अनियमिताओं को लेकर उपायुक्त से मिलेंगे ठेकेदार ने लीपापोती शुरू की

रेवाड़ी। , स्थानीय महाराणा प्रताप चौक से सोलह राही मंदिर तक करीब चार माह पहले बनी सड़क के निर्माण में बरती गई कथित अनियमिताओं को लेकर सेक्टरवासियों द्वारा की गई शिकायत के बाद अब ठेकेदार द्वारा इस कार्य में लीपापोती शुरू की गई है, जिसका आज शिकायतकर्ता व रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने विरोध किया तथा सोमवार को इस संदर्भ में जिला उपायुक्त से मिलने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि करीब चार माह पूर्व इस सीमेंटेड सड़क का निर्माण किया गया था। सेक्टर के जागरूक नागरिक धीरज मदान ने इस संदर्भ में नगर आयुक्त को लिखित शिकायत की थी कि इस सड़क को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं बनाया गया, इसके साथ लगी हुई इंटरलॉकिंग टाइलों को ठेकेदार द्वारा उठा लिया गया, इसकी ऊंचाई ज्यादा कर दी गई तथा कई जगह चौड़ाई कम कर दी गई। उधर, इस शिकायत के बाद रविवार को ठेकेदार द्वारा सड़क के बीचो-बीच कट लगाने आदि का कार्य आज प्रारंभ किया गया है, जिसे नियमावली अनुसार सड़क बनाने के एक सप्ताह बाद किया जाना चाहिए था । रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रविंद्र यादव ने बताया कि निर्धारित मापदंडों के अनुसार सड़क नहीं बनाए जाने की वजह से नेहरू पार्क के मुख्य द्वार के सामने जल भराव की स्थिति पैदा हो गई है, सेक्टर की पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल अभी तक नहीं लगाई हैं, जगह-जगह मलबा पड़ा है। इस लीपापोती की जानकारी कल जिला उपायुक्त को दी जाएगी। शिकायतकर्ता धीरज मदान ने बताया कि उनके निवास के साथ पहले से बनाई हुई सड़क को तोड़ तो दिया गया, किंतु नये सिरे अभी तक नहीं बनाया है,ना ही पुरानी इंटरलॉकिंग टाइल्स को दोबारा लगाया गया है, जिससे सेक्टरवासियों को भारी घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जोगी समाज ने तिरंगा यात्रा निकाल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हथीन/रोबिन माथुर : अखिल भारतीय योगी जोगी नाथ उपाध्याय समाज सेवा संगठन के सदस्यों द्वारा करनाल में तिरंगा यात्रा निकाल स्वतंत्रता आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों मनावर नाथ योगी, कुहूली नाथ देवी, कुमोली नाथ देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर युवाओं का जोश देखते ही बनता था। तिरंगा यात्रा करनाल के बस्ताडा टोल प्लाजा से शुरू होकर ताज बैंकट कम्बोपुरा करनाल श्रधांजलि सभा के साथ समापन हुई। तिरंगा यात्रा में आसाम से विधायक किशोर नाथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी तेजपाल, योगीनाथ समाज के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप योगी, आर्य योगी मामचंद पत्रकार, राजेश योगी गौ रक्षक, प्रवीण योगी व अन्य पदाधिकारियों ने शामिल होकर शहीदों का मान बढ़ाया। जिसमें हथीन के जोगी समाज की युवा टीम से प्रधान विजय जोगी, सतीश जोगी, किशन लाल गोस्वामी, मुकेश जोगी, लोकेश जोगी, पवन जोगी भी शामिल हुए।

हरियाणवी साहित्य लेखन के लिए डॉ. त्रिलोकचंद फतेहपुरी को मिला बाबू बालमुकुंद गुप्त पुरस्कार

रेवाड़ी । भारतेंदु युग के सेनापति बाबू बालमुकुंद गुप्त की 118 वीं पुण्यतिथि पर बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद रेवाड़ी द्वारा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में पांच साहित्यकारों को उनके साहित्यिक योगदान हेतु सम्मानित किया गया ।बाबू बालमुकुंद गुप्त स्मृति समारोह में रेवाड़ी के लोकप्रिय विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि रहे तथा पदम श्री डॉ संतराम देशवाल व हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के निदेशक डॉ धर्मदेव विद्यार्थी मुख्य वक्ता, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह तथा बाबू बालमुकुंद गुप्त के प्रपौत्र विमल गुप्त कोलकाता उपस्थित रहे । संस्था के संरक्षक श्री नरेश चौहान राष्ट्रपूत, अध्यक्ष ऋषि सिंघल तथा महासचिव सत्यवीर नाहड़िया ने बताया कि इस वर्ष के पांच पुरस्कारों में १)स्वर्गीय अल्हड़ बीकानेरी को मरणोपरांत , २)कथाकार रतन कुमार सांभरिया जयपुर, ३) सुप्रसिद्ध गजलकार प्रोफेसर रमेश सिद्धार्थ रेवाड़ी , ४) डॉ. मधु कांत रोहतक ५)हरियाणवी लेखन के लिए फतेहपुर ,अटेली जिला महेंद्रगढ़ के निवासी जाने-माने कवि डॉ. त्रिलोकचंद फतेहपुरी को दिया गया । पांचों साहित्यकारों को 5100 /- रुपए, शाल , श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । कवि त्रिलोक चंद फतेहपुरी की दो दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है जिनमें 10 पुस्तकें हरियाणवी भाषा में गद्य - पद्य विद्या में प्रकाशित हैं । ये देश-विदेश के सैकड़ो मंचों एवं संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके हैं । इस अवसर प्रदेश भर के अनेक साहित्यकार एवं समाज सेवी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।मंच संचालन बाबू बालमुकुंद गुप्त संस्था के महासचिव सत्यवीर नाहड़िया ने किया । इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दिलबाग सिंह कुल सचिव ने सभी सम्मानित साहित्यकारों व अतिथियों का आभार व्यक्त किया

दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर मिथुन मन्हास बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास अगले BCCI अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। BCCI के विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, शनिवार तक, मन्हास अध्यक्ष पद की दौड़ में एकमात्र नाम थे, जो इस साल अगस्त में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के पद छोड़ने के बाद से खाली है। BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तब से अंतरिम रूप से इस पद पर कार्यरत थे।

BCCI पदाधिकारियों में एक और क्रिकेटर के शामिल होने की संभावना है, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। भट वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। मन्हास, जो अक्टूबर में 46 वर्ष के हो जाएंगे, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के संचालन के लिए BCCI द्वारा नियुक्त उप-समिति का हिस्सा हैं।

जम्मू में जन्मे मन्हास 2015 में दिल्ली से जम्मू और कश्मीर चले गए थे और उसके अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। तब से उन्होंने विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में काम किया है, जिसमें बांग्लादेश पुरुष अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के साथ-साथ आईपीएल टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के लिए भी काम किया है। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां उन्होंने 9714 रन बनाए; 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन बनाए; और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मन्हास का नाम शनिवार को दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक में सामने आया, जिसमें BCCI के कुछ प्रमुख पूर्व और वर्तमान सदस्य शामिल हुए, जिनमें वर्तमान ICC अध्यक्ष जय शाह, शुक्ला, BCCI सचिव देवजीत सैकिया, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व बोर्ड सचिव निरंजन शाह शामिल थे। विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं। हालांकि, रविवार के अंत तक नए नामांकन दाखिल नहीं किए जाते, तो दिल्ली बैठक में चर्चा किए गए नामों के अंतिम होने की उम्मीद है।

माना जा रहा है कि सैकिया, जिन्होंने इसी जनवरी में जय की जगह BCCI सचिव का पद संभाला था, इस पद पर बने रहेंगे, जबकि शुक्ला भी उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रभतेज भाटिया, जिन्हें जनवरी में कोषाध्यक्ष चुना गया था, गोवा क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव रोहन देसाई की जगह संयुक्त सचिव का पद संभालेंगे। सौराष्ट्र के पूर्व कप्तान जयदेव शाह को BCCI की शीर्ष परिषद में शामिल किए जाने की संभावना है और वह मिजोरम के खैरुल जमाल मजूमदार की जगह लेंगे, जिनके आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में शामिल होने की संभावना है।

सुपर-4 में हार के बावजूद श्रीलंका कप्तान ने की टीम की सराहना, कहा- ड्रेसिंग रूम इस बात से खुश

स्पोर्ट्स डेस्क। श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एशिया कप 2025 के सुपर 4 के अपने पहले मैच में बांग्लादेश से चार विकेट से मिली हार के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में अफगानिस्तान के कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर सुपर 4 में अपनी जगह पक्की की थी। बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने दासुन शनाका की दमदार पारी की बदौलत 20 ओवरों में 168 रन बनाए। मैच के बाद बोलते हुए असलांका ने स्वीकार किया कि टीम ने अच्छा संघर्ष दिखाया लेकिन वे अपनी पारी को और बेहतर तरीके से समाप्त कर सकते थे। असलांका ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह एक शानदार मैच था। हमने अंत तक संयम बनाए रखा लेकिन यह काफी नहीं था। अपनी बल्लेबाजी से थोड़ा खुश हूं, हम आखिरी 2 ओवरों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। हम 10-15 रन कम बना पाए। दासुन शनाका ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वाकई अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने एक लंबा छक्का लगाया और ड्रेसिंग रूम लगभग 170 के स्कोर से खुश था।'

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश मैच रिपोर्ट

सैफ हसन और तौहीद हृदयॉय के शानदार अर्धशतकों और अपने गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने एशिया कप सुपर-4 मैच में श्रीलंका को चार विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने दासुन शनाका के 37 गेंदों में 64 रनों की बदौलत सात विकेट पर 168 रन बनाए, लेकिन बांग्लादेश ने सैफ (45 गेंदों में 61 रन) और हृदयॉय (37 गेंदों में 58 रन) की शानदार पारियों की बदौलत 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 169 रन बनाकर मैच जीत लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दिखाई अपनी पावर-हिटिंग, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए चौके-छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ वनडे में भारत के 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी पावर-हिटिंग दिखाते हुए सहजता से चौके जड़ने का जलवा दिखाया। ओपनिंग करने उतरे सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण पर हमला बोला औरचौके जड़े। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों पर 7 चौकों और एक गगनचुंबी छक्के की मदद से 38 रनों की पारी खेली। इस किशोर खिलाड़ी ने हेडन शिलर और चार्ल्स लैचमंड का डटकर सामना किया, जो शुरुआती ओवरों में दबाव में थे।

भारत को जीत के लिए 225 रनों की जरूरत थी, और सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने शानदार शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद म्हात्रे (6) और विहान मल्होत्रा (9) सस्ते में आउट हो गए, यानी भारत ने 100 रन का आंकड़ा पार करने से पहले ही 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की पारी जॉन जेम्स की नाबाद 77 रनों की पारी के दम पर आगे बढ़ी, जिन्होंने शुरुआती विकेट गिरने के बाद निचले क्रम को संभाले रखा। हेनिल पटेल (3/38) और किशन कुमार (2/59) ने भारत की ओर से गेंदबाजी का नेतृत्व किया जबकि कनिष्क चौहान ने भी दो विकेट लिए।

मेजबान टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 225 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी गेंदबाजों पर हावी होने की अपनी क्षमता से एक बार फिर मुकाबले में आकर्षण का केंद्र बन गए। उनकी पारी के वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए और प्रशंसक क्रीज पर इस युवा खिलाड़ी के कौशल का जश्न मना रहे थे। भारत का लक्ष्य अब मध्य क्रम के बल्लेबाज़ों पर है, लेकिन शुरुआती बढ़त सूर्यवंशी के नाम रही।

यशस्वी जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर तोड़ी चुप्पी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम का एशिया कप 2025 में प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम ने लीग स्टेज के सभी मुकाबले जीतकर सुपर-4 में प्रवेश किया है, जहां उसका पहला मुकाबला पड़ोसी देश पाकिस्तान से होगा। भारतीय स्क्वॉड में अधिकांश खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को मेन स्क्वॉड में जगह नहीं मिली, जिनमें यशस्वी जायसवाल का नाम भी शामिल है। इस बीच, जायसवाल ने एशिया कप स्क्वॉड से नजरअंदाज किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि खिलाड़ियों का चयन चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं।

यशस्वी ने टेस्ट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टी20 जैसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। एशिया कप के लिए टीम चयन के समय यशस्वी का नाम शामिल न होने से कई सवाल उठे थे। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा के वरिष्ठ खिलाड़ियों के जाने के बाद टीम के ऊपरी क्रम में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा, उपकप्तान के रूप में शुभमन गिल की एंट्री के बाद जायसवाल को भारतीय टीम में आने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

यशस्वी ने कहा, ये सब चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। वे इसे टीम संयोजन के नजरिए से देखते हैं। मैं मेहनत जारी रखूंगा और मुझे पता है मेरा समय आएगा। तब तक, मैं खुद पर काम करता रहूंगा और बेहतर करता रहूंगा। 23 टी20 मैचों में यशस्वी ने 723 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 164.31 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की निरंतरता भारतीय टीम के लिए भविष्य में बड़ी ताकत साबित हो सकती है।

भारत ने शुक्रवार को ओमान को 21 रन से हराकर एशिया कप के ग्रुप लीग चरण का अंत जीत की हैट्रिक के साथ किया। अब भारतीय टीम 48 घंटे से भी कम समय में दुबई में सुपर 4 मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ेगी। इस मुकाबले में टीम का पूरा ध्यान जीत पर होगा, जबकि युवा खिलाड़ियों जैसे यशस्वी को अपने खेल को और निखारने का मौका मिलने का इंतजार रहेगा। यशस्वी की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह निराश नहीं हुए हैं और अपने समय के इंतजार में मेहनत जारी रखेंगे, जिससे भविष्य में भारतीय टीम में उनकी वापसी निश्चित ही देखने को मिल सकती है।

संजू सैमसन ने सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की टीम संस्कृति पर की बात, बताया कैसा है माहौल

नई दिल्ली। भारत के पसंदीदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में समानता और स्वतंत्रता का माहौल बनाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व को श्रेय दिया। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सैमसन ने बताया कि कैसे टीम संस्कृति ने

खिलाड़ियों को खुद को और अधिक स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में मदद की है। सैमसन ने कहा, 'मैं अपने टीम लीडर सूर्यकुमार और गौतम भाई (गौतम गंभीर) को इस बात का बहुत श्रेय देना चाहता हूं कि वे इस माहौल को कैसे बनाए रखते हैं। यह बहुत ही शांत वातावरण है। यह एक समान वातावरण है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है और टीम में सभी को समान महत्व दिया जाता है। मुझे लगता है कि इससे आपका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है और इस प्रारूप में यही जरूरी है। पूरी तरह स्वतंत्र और जिम्मेदार होना। मुझे लगता है कि आप टीम को, टीम के साथी को आजादी कैसे देते हैं।' ओमान के खिलाफ सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर भेजा गया, जहां उन्होंने संयमित अर्धशतक लगाकर भारत की पारी को संभाला। वह क्रीज पर समय बिताने के मौके के लिए आभारी थे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे लगता है कि क्रीज पर कुछ समय बिताने के लिए मैं वाकई आभारी हूं। मुझे लगता है कि मैं घर पर कुछ मैच खेल रहा हूं, लेकिन देश के लिए, एशिया कप के लिए, क्रीज पर कुछ समय बिताने से मुझे वाकई मदद मिली।'

अश्विन ने मैच रैफरी को निशाना बनाने के लिए पीसीबी को आड़े हाथों लिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे आर अश्विन ने मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की कड़ी आलोचना की है। पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर भारतीय टीम का साथ देने को आरोप लगाया था। भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने के लिए पाइक्रॉफ्ट को जिम्मेदार बताने पर भी अश्विन ने हैरानी जताती है। इसके अलावा यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात को जिस प्रकार से रिकार्ड किया गया उसे भी अश्विन ने गलत बताया है। अश्विन ने कहा कि पीबीसी बेकार की नाटकबाजी कर रही है। अश्विन ने कहा, पाइक्रॉफ्ट ने सबको ऐसा बेकार का ड्रामा देखने से बचा लिया।

पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस एशेज में सभी टेस्ट मैंच खेलने की उम्मीद

सिडनी। पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वे पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तब हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करूंगा। सच कहूं तब

यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है। कमिंस ने इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तब खेल ही जाता है। जॉश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे। जाहिर है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको बस एक नए गेंदबाज की जरूरत है, जो आकर टेस्ट मैच में बिना पलक झपकाए 40 ओवर गेंदबाजी कर सके। उल्लेखनीय है कि इस हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस इस सीरीज में 'हिस्सा लेने वाले है। इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 नवंबर से पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होगा। मैकडॉनाल्ड ने कहा कि कमिंस एशेज में' महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगे। लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि 5 टेस्ट मैचों की योजना कभी भी तेज गेंदबाजी के लिए नहीं थी। हालांकि कमिंस अभी भी आशान्वित हैं। पैट कमिंस पांचों एशेज टेस्ट खेलने का लक्ष्य बना रहे हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज को श्रृंखला के करीब आने पर ही पता चलेगा कि वह एक व्यावहारिक विकल्प है या नहीं। हालांकि कमिंस इस लेकर आशांवित है।

सात्विक और चिराग चीन मास्टर्स के फाइनल में कड़े मुकाबले में हारे

शेनझेन (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी को एक बार फिर दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा जब वे रविवार को यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में किम वोन हो और सियो सेयुंग जेइ की कोरिया की दुनिया की नंबर एक जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी को फाइनल में अपने खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन पहले गेम में 14-7 की मजबूत बढ़त बनाने बावजूद उन्हें मुकाबले में 45 मिनट में सीधे गेम में 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग की जोड़ी लगातार दूसरे फाइनल में लय में दिखी। विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद पूरे हफ्ते भारतीय जोड़ी ने एक भी गेम नहीं गंवाया। लेकिन उन्हें मजबूत स्थिति में होने के बावजूद पहला गेम गवाने का मलाल जरूर रहेगा।

किम और सियो अन्य जोड़ीदारों के साथ प्रयोग करने के बाद मौजूद सत्र में फिर से साथ

आए हैं। यह जोड़ी 2025 के अपने नौवें फाइनल में खेल रही थी और पहले ही छह खिताब जीत चुकी थी जिसमें पेरिस में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण और ऑल इंग्लैंड तथा इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी शामिल है। इस मुकाबले को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमण और सर्वश्रेष्ठ डिफेंस के बीच की लड़ाई माना जा रहा था और किम तथा सियो ने बेहतर धैर्य और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

कोरियाई टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार दमदार स्मैश के साथ वापसी की और स्कोर 6-6 कर दिया। चिराग के नेट पर सटीक शॉट ने भारतीय जोड़ी को ब्रेक तक 11-7 की बढ़त दिला दी और जल्द ही उन्होंने इसे 14-8 कर दिया। हालांकि कुछ गलतियां हुईं। एक वीडियो चैलेंज के असफल होने से सात्विक और चिराग की लय टूटी और कोरियाई जोड़ी ने अगले नौ में से आठ अंक जीतकर स्कोर 15-15 से बराबर कर दिया।

नेट पर चिराग की गलती ने कोरियाई जोड़ी को 19-17 की बढ़त दिला दी लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए सियो की गलती से स्कोर 19-19 कर दिया। बाएं हाथ के किम ने एक तेज विनर शॉट के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और चिराग ने इसके बाद शॉट बाहर मार दिया जिससे कोरियाई टीम ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने 3-2 की बढ़त बनाई और फिर स्कोर 8-6 कर दिया। कोरियाई जोड़ी ने 9-9 पर बराबरी हासिल की और ब्रेक तक एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।

खेल फिर से शुरू होने पर सियो ने नेट पर सर्विस मार दी लेकिन अगले ही प्वाइंट पर सात्विक की कमजोर सर्विस पर अंक जुटाया। चिराग के एक बार फिर शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने 15-11 के स्कोर पर चार अंक की बढ़त हासिल की। सियो ने अगले ही प्वाइंट पर फ्लैट शॉट लगाया लेकिन चिराग फिर से चूक गए और कोरियाई टीम 17-14 से आगे हो गई। एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट ने कोरियाई टीम की बढ़त को 18-15 कर दिया। चिराग के दो बार शॉट बाहर मारने से कोरियाई जोड़ी ने पांच मैच प्वाइंट हासिल किए जिसके बाद सात्विक ने बाहर शॉट मारकर खिताब कोरियाई टीम की झोली में डाल दिया।

हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा : बांग्लादेशी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन

स्पोर्ट्स डेस्क। बांग्लादेश ने टी20 एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने 45 गेंदों में 61 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। बांग्लादेश ने श्रीलंकाई टीम को चौंका दिया, हसन ने कहा कि टीम यूएई यह मानकर पहुंची थी कि वे फाइनल में पहुंचेंगे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैफ ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहा आने से पहले, सभी को यकीन था कि हम फाइनल खेलेंगे।' 'हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।' 'जरूर, सपने देखने चाहिए और बड़े सपने देखने चाहिए, लेकिन हमें कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहिए। हमारा अगला ध्यान पूरी तरह से भारत के खिलाफ मैच पर होगा और उसके बाद के मैच का फैसला बाद में होगा।' मैच में पहले ओवर में विकेट गिरने के बाद, हसन ने नुवान तुषारा का सामना किया। उन्होंने पावरप्ले के ओवरों में कुल तीन छक्के लगाए। कप्तान लिटन दास ने उनका अच्छा साथ दिया। 6 ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 59/1 था। हसन ने खुलासा किया कि उनके पास कोई खास योजना नहीं थी, लेकिन उन्होंने मैदान पर पाबंदी के दौरान जवाबी हमला करने का फैसला किया। बांग्लादेश का अगला मैच 24 सितंबर को दुबई में भारत के खिलाफ होगा। सुपर-4 में वे एकमात्र टीम हैं जो लगातार दो दिन मैच खेलेगी। उनका आखिरी सुपर-4 मैच 25 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

जतिंदर सिंह ने भारतीय टीम से एनसीए में प्रशिक्षण की गुहार लगाई

अबु धाबी (एजेंसी)। जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान टीम को एशिया कप 2025 में भारत के खिलाफ 21 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, हार के बावजूद ओमान के बल्लेबाजों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 167 रन बनाए। आमिर कलीम ने 64 रन, हम्माद मिर्जा ने 51 और कप्तान जतिंदर ने 32 रन का योगदान दिया। मैच के बाद जतिंदर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से गुहार लगाई कि उनकी टीम को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रशिक्षण की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की तकनीक, मानसिक तैयारी और फिटनेस में सुधार होगा और एसोसिएट देशों और टेस्ट खेलने वाले देशों के बीच की खाई पाटने में मदद मिलेगी।

जतिंदर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि अगर हम भारत को अपना दूसरा घर बना सकें, एनसीए में ट्रेनिंग ले सकें, टी20 मैच खेल सकें और क्लब तथा रणजी टीमों के साथ अभ्यास कर सकें, तो हमारे लिए यह बहुत फायदेमंद होगा। हम एक एसोसिएट नेशन हैं और हमें टेस्ट खेलने वाले देशों के साथ खेलने के मौके नहीं मिलते। ओमान की टीम पहली बार एशिया कप में खेली थी और ग्रुप ए के सभी मैच हारने के बावजूद जतिंदर ने अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों पर गर्व है और

जिस तरह उन्होंने हालात का सामना किया, वह काबिले तारीफ है।

भारतीय धरती पर तेज गेंदबाजों से सीरीज पलटने की उम्मीद है सैमी को

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भारतीय सरजमीं पर अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की ताकत पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण इतना मजबूत और विविधता से भरा है कि किसी भी परिस्थिति में मैच का रुख पलट सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा 10 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। मीडिया से बातचीत में सैमी ने कहा, टीम में चार अलग-अलग तरह के तेज गेंदबाज हैं, जिनकी अपनी खासियतें हैं और यही हमारी असली ताकत है। शमर जोसेफ, जेडन सील्स, अल्जारी जोसेफ और एंडरसन फिलिप

सभी विभिन्न परिस्थितियों में विकेट निकालने में सक्षम हैं। इसके साथ ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं। उन्होंने विशेष रूप से शमर को कुशल, जेडन सील्स को गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में माहिर और अल्जारी जोसेफ को अपने कद, गति और उछाल के कारण खतरनाक बताया। सैमी ने उम्मीद जताई कि उनका तेज गेंदबाजी संयोजन भारतीय हालात में भी बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा और टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता रखता है। कोच ने न्यूजीलैंड की भारत में पिछली साल की सफलता से भी प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा, पिछले साल कीवी टीम ने भारत में 3-0 से जीतकर इतिहास रचा। हमें उनसे सीखना चाहिए कि किन परिस्थितियों में उन्होंने कौन-सी रणनीति अपनाई। उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी भी परिस्थितियों को समझकर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय हालात में पारंपरिक तौर पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहता है, लेकिन सैमी का मानना है कि उनकी तेज गेंदबाजी यूनिट इस बार असर दिखाएगी। उन्होंने कहा, टीम का यह संयोजन किसी भी विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को चुनौती देने में सक्षम है। अब यह देखना बाकी है कि अहमदाबाद और दिल्ली में इंडीज के तेज गेंदबाज सैमी की उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं।

इरफान चाहते हैं इस गेंदबाज को टीम में शामिल करना, कहा- भारत को दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में भारतीय टीम को अर्शदीप सिंह की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि जसप्रीत बुमराह के अलावा अर्शदीप ही एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं और विरोधी बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल बना सकते हैं।

पठान ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'मैं अपनी बात पर कायम रहूंगा, जो मैंने एशिया कप शुरू होने से पहले कही थी। मैं अर्शदीप को बुमराह के साथ खेलते देखना चाहूंगा क्योंकि ऐसी स्थिति आ सकती है जहां आपको दूसरे तेज गेंदबाज की जरूरत पड़ सकती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब गेंद गीली हो जाती है और आप दबाव में होते हैं तो क्या हार्दिक की ताकत छह यॉर्कर फेंकना है, या शिवम दुबे लगातार यॉर्कर फेंक सकते हैं।'

पठान ने यह भी स्वीकार किया कि भारतीय टीम वर्तमान में जीत की लय में है, इसलिए टीम प्रबंधन अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करेगा और उसी गेंदबाजी संयोजन के साथ आगे बढ़ेगा जो उन्होंने टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ अपने पिछले मैच में इस्तेमाल किया था।

अर्शदीप ओमान के खिलाफ मैच में खेले

अर्शदीप को एशिया कप के पहले दो मैचों में भारत की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी, लेकिन ओमान के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप चरण के मैच में वह शामिल थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 37 रन देकर 1 विकेट हासिल किया और टी20 के इस प्रारूप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने।

पति संग्राम सिंह के अफेयर्स की अफवाहों के बीच पत्नी पायल का क्रिप्टिक पोस्ट

रेसलर-एक्टर संग्राम सिंह और अभिनेत्री निकिता रावल के बीच रिश्ते को लेकर कई बाते कही जा रही हैं। साथ ही ये भी कहा गया कि अभिनेता का एक्ट्रेस निकिता के साथ अफेयर चल रहा है और वो उन्हें डेट कर रहे हैं। हालांकि, संग्राम सिंह ने इन अफवाहों का खंडन किया है और निराशा व्यक्त की। इसके अलावा निकिता रावल ने भी इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया। इसी बीच रेसलर-एक्टर की पत्नी पायल रोहतगी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है।

पति संग्राम सिंह के साथ पायल ने शेयर की तस्वीर

संग्राम सिंह के अफेयर्स से जुड़ी खबरों के बीच उनकी पत्नी और अभिनेत्री पायल रोहतगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने खुद की शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की है, जिसमें पति संग्राम सिंह के साथ वो खड़ी दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, विश्वासघात हमेशा वफादारी के रूप में तब तक आता है, जब तक उसका मुखौटा नहीं उतर जाता।

मैंने हर किसी की मदद...

इसके साथ ही पायल रोहतगी ने एक और पोस्ट किया है। इसमें भी उन्होंने अपनी ही शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की। उन्होंने कैप्शन दिया, एक अमीर आदमी से पूछा कि उसने यह कैसे किया और उसने कहा मैंने हर किसी की मदद करने की कोशिश करना बंद कर दिया पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने 12 साल से अधिक समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। इसके बाद साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली थी।

तेलुगू

सामंथा को नागा चैतन्य से तलाक के बाद नहीं मिल रहा काम

इंडस्ट्री ने किया ब्लैकलिस्ट?

फिल्मों की एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने एक इंटरव्यू में सुपरस्टार और तलाकशुदा एक्ट्रेस के बारे में बात की है। लक्ष्मी मांचू ने कहा है कि इस एक्ट्रेस को तलाक के बाद से काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने इस एक्ट्रेस का नाम तो नहीं लिया, पर हिंट दिया कि तलाक के बाद से उस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और जो फिल्में थीं, वो भी वापस ले ली गईं। बताया जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू ने यह बात सामंथा रुथ प्रभु के बारे में कही है। सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य से शादी की थी। यह एक लव मैरिज थी, पर 2021 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद से सामंथा का करियर लुढ़कने लगा। उन्हें नाम मात्र की फिल्में मिल रही हैं, और जो भी रिलीद हुईं, वो औसत ही रहीं। ऐसे में माना जा रहा है कि लक्ष्मी मांचू का इशारा सामंथा की तरफ था।

नागा चैतन्य की शोभिता से शादी, राज निदिमोरू संग सामंथा का नाम

सामंथा नागा चैतन्य से तलाक के बाद से वह सिंगल हैं। हालांकि, उनका नाम डायरेक्टर राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों की साथ में रोमांटिक तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। वहीं, नागा चैतन्य बाद में एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला को डेट करने लगे थे और साल 2024 में शादी कर ली।

लक्ष्मी मांचू ने दिया हिंट

लक्ष्मी मांचू ने ग्रेट आंध्रा को दिए इंटरव्यू में इस बात का हिंट दिया कि एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी के पास फिलहाल कोई काम नहीं है। दरअसल, एक सवाल के जवाब में लक्ष्मी मांचू ने रिपोर्टर को फटकार लगाई और कहा कि समाज में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को बहुत कुछ झेलना पड़ता है। लक्ष्मी मांचू बोलीं, एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी है, जो यहां काम करती है। उसका तलाक हो गया है, और तब से, उसे जो फिल्में ऑफर हुई थीं, वो भी छीन ली गई हैं। उसे यही कहा जाता है कि उसे लिया तो उन्हें (नागा चैतन्य) बुरा लग सकता है और वो कुछ बोल सकते हैं। उसे अच्छे ऑफर्स का इंतजार है और मुझे उसका नाम लेने की जरूरत नहीं है।

सामंथा का नाम सुनकर लक्ष्मी मांचू ने दिया यह जवाब

रिपोर्टर ने जब लक्ष्मी मांचू से सवाल किया कि वह सामंथा की बात कर रही हैं? तो एक्ट्रेस बोलीं, आप सोच रहे हैं कि सामंथा ही हैं। कोई एक सुपरस्टार नहीं है। लगभग पांच-छह सुपरस्टार्स का तलाक हो चुका है। और मैं उन सभी के करीब हूं। लेकिन मेरा पॉइंट ये है कि अगर किसी पुरुष के साथ ऐसा कुछ होता है, तो उसकी जिंदगी कभी नहीं बदलेगी। लेकिन एक महिला जब शादी कर ले और उसके बच्चे हो जाएं, ससुरालवाले हों तो उस पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। कोई हमें आज़ादी नहीं देता। हमें खुद ही सब कुछ सहना पड़ता है।

इंदिरा कृष्णा ने 'जटाधारा' की शूटिंग को बताया रोमांचक अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म जटाधारा सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता सुधीर बाबू इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री इंदिरा कृष्णा भी अहम किरदार निभाती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग से जुड़ी सोनाक्षी सिन्हा के साथ एक फोटो शेयर की। इसमें वो सोनाक्षी से खुशी से बातें करती दिख रही हैं। एक तस्वीर में वो फिल्म के शूट को देखती दिख रही हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए इंदिरा कृष्णा ने बताया कि 'जटाधारा' की शूटिंग का अनुभव बहुत ही रोमांचक रहा। इंदिरा कृष्णा ने फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन्हें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 卐महादेव की कृपा से 7 नवंबर 2025 को रिलीज होने वाली तेलुगु फिल्म जटाधारा की शूटिंग का सफर बेहद रोमांचक रहा। माउंट आबू में इस शानदार टीम के साथ शूटिंग का पूरा आनंद लिया। मैंने वहां की भाषा और लोगों को करीब से समझा। प्रेरणा अरोड़ा के बिना यह संभव नहीं होता, जिन्होंने इस किरदार देवी के लिए मुझ पर बिना सोचे भरोसा किया। प्रिय प्रेरणा, मुझसे सर्वश्रेष्ठ अभिनय निकलवाने के लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहती हूं। उन्होंने आगे लिखा, कुछ समय बिताने और विचार-मंथन के लिए शिविन को विशेष धन्यवाद। वेंकट कल्याण और हिमांशु की टीम का धन्यवाद। खूबसूरत सोनाक्षी सिन्हा के साथ बातचीत करके बहुत अच्छा लगा। आप अंदर से बहुत खूबसूरत हैं। इस अवसर को और बेहतर बनाने के लिए स्टूडियो साउथ का धन्यवाद। फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई थी। उन्होंने बताया कि यह फिल्म 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर के आसपास के रहस्यों को उजागर किया जाएगा। इस फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुभलेखा सुधाकर जैसे सितारे भी हैं। इसके निर्देशक अभिषेक जायसवाल और वेंकट कल्याण हैं। इसे जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

बॉलीवुड के बाद प्राजक्ता कोली ने रखा मराठी सिनेमा में कदम

सोशल मीडिया पर मोस्टलीसेन के नाम से पहचान बनाने वाली प्राजक्ता कोली आज एक ऐसा नाम बन चुकी हैं, जिनकी लोकप्रियता सिर्फ डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रही। ओटीटी और बॉलीवुड में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब वो अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। प्राजक्ता पहली बार मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं और उनकी इस फिल्म का नाम है क्रांतिज्योति विद्यालय - मराठी माध्यम।

प्राजक्ता ने शेयर किया पोस्ट

प्राजक्ता ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- उस भाषा के प्यार में, जिसे मैं अपनी मातृभाषा कहती हूं। मिलते हैं, बहुत जल्द। प्राजक्ता ने फैंस को जानकारी देते हुए फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म की स्टारकास्ट के बारे में भी फैंस को बताया है।

फिल्म की कहानी और निर्देशन

इस फिल्म का निर्देशन हेमंत ढोमे ने किया है। कहानी महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था और मराठी माध्यम स्कूलों के पतन के इर्द-गिर्द बुनी गई है। यह फिल्म समाज में एक गंभीर संदेश देने का प्रयास करेगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में प्राजक्ता कोली के साथ मराठी सिनेमा के कई जाने-माने चेहरे नजर आएंगे। इसमें सचिन खेड़ेकर, अमेय वाघ, सिद्धार्थ चांदेकर, क्षिती जोग, कदंबरी कदम, हरीश दुहाडे और पुष्कराज चिरपुटकर जैसे कलाकार शामिल हैं। इन सभी कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और भी मज़बूत बनाती है।

अब तक का सफर....

प्राजक्ता की पहचान सबसे पहले यूट्यूब से हुई, जहां वह रिलेटेबल और हल्के-फुल्के हास्य वाले वीडियो बनाती थीं। इसके बाद उन्हें ओटीटी पर नेटफ्लिक्स की रोमांटिक सीरीज मिसमैच्ड से पहचान मिली। शो को दर्शकों ने इतना पसंद किया कि इसका चौथा और अंतिम सीजन भी अगले साल आने वाला है। इसी बीच प्राजक्ता ने धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म जुग जुग जियो से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें वह वरुण धवन और कियारा आडवाणी के साथ नजर आईं। हाल ही में वह अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज अंधेरा में भी दिखाई दीं।

नतालिया ही नहीं कई विदेशी सेलिब्रिटीज ने 'बिग बॉस' में चलाया अपना जादू

'बिग बॉस 19' में एक विदेशी एक्ट्रेस नतालिया जानोसजेक भी बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। बीते रविवार को वह शो से बाहर हो गईं। सिर्फ नतालिया ही अकेली विदेशी सेलिब्रिटी नहीं हैं, जो इस रियलिटी शो में दिखीं, पहले भी कई विदेशी सेलेब्स 'बिग बॉस' का हिस्सा बन चुके हैं।

पोलिश मूल की अदाकारा नतालिया वीकएंड का वार एपिसोड में 'बिग बॉस 19' से बाहर हो गईं। वह काफी दिनों तक इस रियलिटी शो में चर्चा में रहीं। सिर्फ नतालिया ही नहीं इससे पहले भी 'बिग बॉस' के अलग-अलग सीजन में कई विदेशी मूल के सेलिब्रिटीज नजर आए।

क्लोडिया सिएस्ला

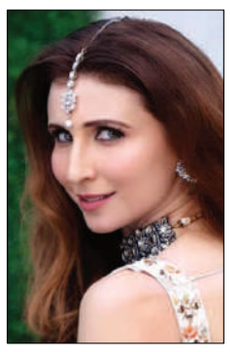

क्लोडिया सिएस्ला जर्मन एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। वह 'बिग बॉस 3' में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। इसके बाद क्लोडिया ने हिंदी फिल्मों में अभिनय किया। साल 2018 में क्लोडिया ने एक बॉलीवुड फिल्म 'तेरी भाभी है पागल' में आइटम डांस किया। वह अब भारत में रहकर एक न्यूट्रिशनिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं।

सनी लियोनी

सनी लियोनी ने 'बिग बॉस 5' में बतौर प्रतियोगी हिस्सा लिया था। वह एक कनैडियन मूल की एक्ट्रेस, मॉडल रही हैं। 'बिग बॉस' के बाद वह बॉलीवुड फिल्म 'जिस्म 2' में नजर आईं। इसके बाद भी कई हिंदी और साउथ की फिल्मों का हिस्सा बनीं। इस साल वह हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रविकुमार' में कैमियो रोल करती दिखीं। कई इंडियन रियलिटी शो को वह होस्ट भी कर चुकी हैं।

नताशा स्टेनकोविक

नताशा स्टेनकोविक एक सर्बियाई मूल की मॉडल, एक्ट्रेस हैं। फिल्म 'सत्याग्रह(2013)' से नताशा ने बॉलीवुड में कदम रखा था। साल 2014 में वह बिग बॉस 8 में बतौर प्रतियोगी शामिल हुईं। साल 2019 में भी उन्होंने 'द बॉडी' नाम की एक हिंदी फिल्म की। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ साल 2020 में शादी की और साल 2024 में डिवोर्स हो गया।

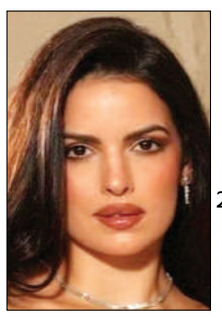

अब्दु रोजिक

तजाकिस्तान के मशहूर इंफ्लुएंसर अब्दु रोजिक भी 'बिग बॉस 16' में नजर आए थे। इस शो के बाद वह 'लाफ्टर शेफ 2' जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बने। भारत में अब भी उनके फनी और सिंगिंग वाले वीडियो सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं।

ओरा

साउथ कोरियन सिंगर ओरा ने भी 'बिग बॉस 17' में हिस्सा लिया था। ओरा के वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं, उनकी भारत में भी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। वह बॉलीवुड गानों के मैशअप वीडियो बनाते हैं, जिन्हें भारतीय दर्शक पसंद करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।